राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उतरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरुवार 07 अगस्त 2025 वर्ष-8,अंक-169 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका ने भारत पर लगाया कुल 50 प्रतिशत टैरिफ

रूसी तेल खरीदने से चिढ़कर थोपा 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत पर टैरिफ बम फोडने की घोषणा की है. बुधवार शाम को ट्रंप की तरफ से भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का कार्यकारी आदेश साइन किया गया है. अमेरिका की तरफ से कहा गया कि यह फैसला भारत द्वारा रूसी तेल की लगातार खरीद के जवाब में लिया गया है. इसके साथ ही भारत पर अमेरिका ने कुल 50 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा कर दी है. यह आदेश 27 अगस्त से लागू होगा। इससे पहले उन्होंने 30 जुलाई को 25 प्रतिशत टैरिफ का ऐलान किया था।

ट्रम्प ने रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह एक्शन लिया है। उन्होंने एक दिन पहले कहा था भारत रूसी तेल खरीद कर यूक्रेन युद्ध जारी रखने में रूस की मदद कर रहा है। इस वजह से अमेरिका भारत पर एक्शन लेगा। ट्रम्प ने बुधवार के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में लिखा है कि भारत सरकार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से रूस से तेल आयात कर रही है। ऐसे में अमेरिका में दाखिल होने वाले भारत के सामानों पर 25 प्रतिशत का एक्सट्रा टैरिफ लागू होगा। यह शुल्क 21 दिन बाद से लागू होगी। हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में इस टैरिफ से छूट भी दी जाएगी जैसे कि यदि कोई सामान पहले ही समुद्र में लद चुका है और रास्ते में है, या यदि वह कुछ खास तारीख से पहले अमेरिका में पहुंच चुका है। इससे पहले मार्च 2022 में अमेरिका ने एक आदेश जारी कर रूसी तेल और उससे जुड़े उत्पादों के अपने देश में आयात पर पूरी तरह रोक लगा दी थी। अब ट्रम्प प्रशासन ने यह पाया कि भारत उस रूसी तेल को खरीद रहा है, जिससे रूस को आर्थिक मदद मिल रही है। इस वजह से अब अमेरिका ने भारत पर यह नया टैरिफ लगाने का फैसला किया है।

कुछ भारतीय सामानों पर टैरिफ लागू नहीं होगा

अप्रैल 2025 में जारी एक और आदेश में कुछ खास उत्पादों को पहले ही टैरिफ से छूट दे दी गई थी वे छूट अब भी जारी रहेंगी। इन सामानों में सेमीकंडक्टर्स, स्मार्टफोन, कंप्यूटर, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोटिव पार्ट्स, तांबा और अन्य धातु व खनिज शामिल हैं। इसका मतलब है कि भारत से होने वाले इन सामानों के भेजे जाने पर अब भी एकस्ट्रा टैरिफ लागू नहीं होगा। इस आदेश में यह भी बताया गया है कि अगर भविष्य में जरूरत पड़ी तो राष्ट्रपति इसमें संशोधन कर सकते हैं, यानी टैरिफ की दर बदल सकते हैं या और नए प्रावधान जोड़ सकते हैं।

मेडिसिन पर 250 प्रतिशत टैरिफ धमकी

ट्रम्प ने मंगलवार को ही भारत के फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट्स पर 250 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वे शुरू में फार्मास्युटिकल्स पर छोटा टैरिफ लगाएंगे, लेकिन फिर इसे एक से डेढ़ साल में बढ़ाकर 150 प्रतिशत और फिर 250 प्रतिशत कर देंगे। ट्रम्प ने कहा था कि हम चाहते हैं कि दवाइयां हमारे देश में ही बनाई जाएं। उनका मानना है कि अमेरिका फार्मा प्रोडक्ट्स के लिए बहुत ज्यादा विदेशों पर निर्भर है, खासकर भारत और चीन पर। इस टैरिफ से भारतीय फार्मा सेक्टर पर बुरा असर पड़ सकता है। अमेरिका भारत से जेनेरिक दवाइयां, वैक्सीन और एक्टिव इंग्रेडिएंट्स खरीदता है। 2025 में अमेरिका को भारत का फार्मास्युटिकल निर्यात 7.5 अरब डॉलर (करीब 65 हजार करोड़ रुपए) से ज्यादा रहा। अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली सभी जेनेरिक दवाओं की लगभग 40 प्रतिशत भारत से आती हैं।

मोहाली में फैक्ट्री में सिलेंडर ब्लास्ट, 2 की मौत और 4 लोग घायल

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब में मोहाली के इंडस्ट्रियल एरिया में एक फैक्ट्री में सिलेंडर ब्लास्ट हुआ है, इसमें 2 लोगों की मौत हुई है। जबकि, 4 लोग घायल हुए हैं। ब्लास्ट के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। धमाका इतना तेज था कि आसपास के घरों की दीवारें हिल गईं और फैक्ट्री की छत को भी काफी नुकसान पहुंचा। सिलेंडर के टुकड़े भी 1 किलोमीटर दूर तक बिखरे मिले। फिलहाल, ब्लास्ट के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस व प्रशासन की टीमें कारण का पता लगाने में जुटी है। मृतकों की पहचान आसिफ खान और देवेंद्र कुमार के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 25 साल थी और कंबाला के रहने वाले थे। सीएम भगवंत मान ने घटना पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि घटना से जुड़ा हर अपडेट अधिकारियों से ले रहे हैं। जिस जगह पर धमाका हुआ है, वहां ऑक्सीजन प्लांट है। वहां से ट्राइसिटी सहित पूरे पंजाब के अस्पतालों में सिलेंडरों की सप्लाई होता है। पता चला है कि यहां सिलेंडर लोड किए जा रहे थे। तभी अचानक सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। इस दौरान करीब 6 लोग चपेट में आए। सूचना मिलते ही मोहाली के एसएसपी मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति का जायजा लिया। हादसे के बाद सारे सिलेंडर हटाए गए। यह धमाका इतना खतरनाक था कि मारे गए लोगों के चिथड़े तक उड़ गए। जिस फैक्ट्री में धमाका हुआ है, वह हाईटेक इंडस्ट्री के नाम से चल रही है। पता चला है कि यह फैक्ट्री बहुत पुरानी है। ट्राइसिटी के सारे सरकारी और निजी अस्पतालों को यहीं से ऑक्सीजन सिलेंडर भेजे जाते हैं। धमाका इतना बड़ा था कि कंपनी से एक किलोमीटर दूर कंबाला गांव में सिलेंडर के टुकड़े मिले। इसके बाद गांवों के लोग भी वहां पर पहुंच गए।

चीन जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के अंत में जापान और चीन की यात्रा पर जाएंगे। जापान का दौरा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से है, जबकि पीएम मोदी चीन में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 30 अगस्त को जापान के लिए रवाना होंगे, जहां वे जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के बीच रणनीतिक, आर्थिक और तकनीकी सहयोग को और आगे बढ़ाने पर चर्चा होने की संभावना है। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच चीन के तियानजिन शहर में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन समिट में हिस्सा लेंगे। 2019 के बाद ये पीएम मोदी की पहली चीन यात्रा होगी। शंघाई सहयोग संगठन बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद, व्यापार सहयोग और बहुपक्षीय सहयोग जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी की ये यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों पर रूस से तेल खरीदने के लिए निशाना साधा है और अमेरिकी राष्ट्रपति का दावा है कि ब्रिक्स देश डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती दे रहे हैं। ऐसे में पीएम मोदी का यह दौरा रणनीतिक तौर पर बेहद अहम माना जा रहा है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जेपी नड्डा से मुलाकात की

चंडीगढ़/नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान हरियाणा के वर्तमान विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं और भावी परियोजनाओं को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को राज्य में लागू विकास योजनाओं की प्रगति से अवगत करवाया कि केंद्र सरकार की नीतियों एवं सहयोग से हरियाणा अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ' 'डबल इंजन' की सरकार के रूप में हरियाणा निरंतर आगे बढ़ रहा है और राज्य के नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, कृषि, उद्योग और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में लाभ प्राप्त हो रहा है।

तेलंगाना में ओबीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण एक सामूहिक लड़ाई : राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार ने राज्य में ओबीसी को 42 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने की घोषणा की। तेलंगाना सरकार के इस फैसले का लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने स्वागत किया। कांग्रेस सांसद और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि तेलंगाना सरकार और कांग्रेस ने आज दिल्ली में धरने पर बैठे और राष्ट्रपति से शिक्षा, रोजगार और स्थानीय सरकार में पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण वाले कानून को मंजूरी देने की मांग की। यह कानून जाति जनगणना के आंकड़ों पर आधारित, संविधान के सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण की दिशा में एक बड़ी प्रगति है।

प्रधानमंत्री ने कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया

अमृत काल में, विकसित भारत के लिए नीतियां कर्तव्य भवनों में बनाई जाएंगी: मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कर्तव्य भवन का उद्घाटन करते हुए कहा, अमृत काल में, विकसित भारत के लिए नीतियां कर्तव्य भवनों में बनाई जाएंगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कर्तव्य भवन को जन-जन की सेवा के प्रति अटूट संकल्प और निरंतर प्रयासों का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि कर्तव्य भवन न केवल नीतियों और योजनाओं को लोगों तक तेजी से पहुंचाने में मददगार बनने वाला है, बल्कि इससे देश के विकास को भी एक नई गति मिलेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि कर्तव्य भवन एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसे गढ़ने वाले हमारे श्रमयोगियों की अथक मेहनत और संकल्प-शक्ति का आज देश साक्षी बना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस भवन के निर्माण में पर्यावरण संरक्षण का पूरा ध्यान रखा गया है। पीएम ने कहा, कर्तव्य भवन विकसित भारत की नीतियों और दिशा का मार्गदर्शन करेगा। इससे पहले अलग-अलग मंत्रालयों के किराए पर 1500 करोड़ रुपए खर्च हो रहे थे। प्रधानमंत्री ने कई सोशल मीडिया पोस्टों में कहा; कर्तव्य पथ पर कर्तव्य भवन जन-जन की सेवा के प्रति हमारे अटूट संकल्प और निरंतर प्रयास का प्रतीक है। ना केवल हमारे सदस्यों और लोगों तक की शिक्षा को तेजी से मित्रता में शामिल करने वाला है, बल्कि इससे देश के विकास को भी एक नई गति मिलेगी। मित्रता के सिद्धांत बने इस भवन को राष्ट्र को समर्पित कर बहुत ही गौरवान्वित हूं।

आपको बता दें कि कर्तव्य भवन सुविधा 10 नए कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरियट भवनों में से पहली है, जिसमें सभी मंत्रालयों के कार्यालय होंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य सभी मंत्रालयों और विभागों को कार्यकुशलता के लिए एक ही छत के नीचे लाना है।

कर्तव्य भवन-3, जिसका उद्घाटन सबसे पहले किया गया है, वहां पर गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार का कार्यालय होगा। सरकार के अनुसार, कई प्रमुख मंत्रालय वर्तमान में शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों में काम कर रहे हैं। इनका निर्माण 1950 और 1970 के दशक के बीच हुआ था। ये इमारतें अब संरचनात्मक रूप से पुरानी और अक्षम हो चुकी हैं।

उत्तरकाशी के बाद अब हिमाचल में फटा बादल, चट्टानें और मलबा सड़कों पर जमा

कैलाश मानसरोवर यात्रा रोकी, 413 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

किन्नौर (एजेंसी)। उत्तरकाशी में तबाही के बाद अब हिमाचल प्रदेश में बुधवार को किन्नौर जिले के तंगलिंग क्षेत्र में भी बादल फट गए और यहां भी बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। इसका एक भयावह वीडियो सामने आया है जिसमें पहाड़ से चट्टानें और मलबा तेजी से बहते हुए सड़क पर गिरता नजर आ रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस आपदा का सबसे बड़ा असर कैलाश मानसरोवर यात्रा रूट पर पड़ा है। बाढ़ से दो पुल बह गए और बाकी मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं, जिसके चलते यात्रा को रोक दिया गया है। कई श्रद्धालु मार्ग में फंसे हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की टीम ने जिपलाइन के ज़रिए 413 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। राहत कार्य जारी है। इस दौरान किन्नौर के रिब्बा गांव के पास रालडांग खड्ड में भी बादल फटने की खबर आई है। इसके चलते नेशनल हाईवे-5 पर करीब 150 मीटर तक कीचड़ और बड़े पत्थर जम गए हैं, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वहीं चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर मंगलवार रात को लैंडस्लाइड हुई, जिससे मार्ग बाधित हुआ है। 500 से ज्यादा सड़कों पर यातायात ठप हो गया है। शिमला, मंडी, सोलन और कुल्लू जिलों में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। बादल फटने की घटनाएं हिमाचल तक सीमित नहीं है। उत्तराखंड के धराली गांव में मंगलवार को बादल फटने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से ज्यादा लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। कर्णप्रयाग में पहाड़ ढहने से बद्रीनाथ हाईवे अवरुद्ध हो गया है, वहीं हरिद्वार-देहरादून रेल रूट पर चट्टान गिरने से रेल संचालन ठप हो गया है। प्रशासन और आपदा राहत टीमें हालात पर नजर रख रही हैं। कई क्षेत्रों में एनडीआरएफ और आईटीबीपी की टीमें सक्रिय हैं। लोगों से अपील की गई है कि वह अनावश्यक यात्रा से बचें और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें।

भारतीय हैंडलूम उत्पाद का कार्बन उत्सर्जन बेहद कम: गिरिराज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को कहा कि पावरलूम के मुकाबले हैंडलूम 41 प्रतिशत कम उत्सर्जन करता है। क्योंकि पावरलूम यानी बिजली से चलने वाली मशीन हैंडलूम के बुनाई, रंगाई और पैकेजिंग से चार गुना अधिक कार्बन का इस्तेमाल करती है।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने उद्योग भवन में 'हैंडलूम सेक्टर में कार्बन फुटप्रिंट आकलन' पर आधारित पुस्तक के लॉन्च कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में कहा, 'विकसित देशों द्वारा किए कार्बन उत्सर्जन का खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ रहा है, जिसकी वजह से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ चुका है। ऐसी स्थिति में भारत के कपड़ा मंत्रालय का ध्यान इस ओर गया कि कार्बन फुटप्रिंट को किस प्रकार कम किया जाए, जिसकी पहली शुरुआती हैंडलूम बनाम पावरलूम से की गई है।'

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इस कार्यक्रम को लेकर जानकारी देते हुए कहा, 'आज उद्योग भवन में वस्त्र मंत्रालय और आईआईटी दिल्ली की साझा स्टडी 'हैंडलूम सेक्टर में कार्बन फुटप्रिंट आकलन' पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण किया।'

उन्होंने आगे कहा कि रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि भारतीय हैंडलूम उत्पाद पर्यावरण पर बेहद कम प्रभाव डालते हैं और इनका कार्बन उत्सर्जन भी कम है। यह रिपोर्ट परंपरा और इको फ्रेंडली प्रैक्टिस के अद्भुत संतुलन का प्रमाण है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आगे कहा, 'हमें अपने बुनकरों और उनकी सस्टेनेबल कारीगरी पर गर्व है।'

आईआईटी दिल्ली के अनुसार, हथकरघा क्षेत्र ग्रामीण और अर्ध-ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें 35 लाख से अधिक लोग जुड़े हुए हैं, जिनमें 25 लाख से ज्यादा महिला बुनकर और संबद्ध श्रमिक शामिल हैं। यह क्षेत्र महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण वाहक है।

यह रिपोर्ट भारत भर के वास्तविक केस स्टडीज के माध्यम से कार्बन फुटप्रिंट मापने के सरल चरण प्रस्तुत करती है, जिसमें सूती चादरें, फर्श की चटाई, बनारसी साड़ियां और कई अन्य प्रतिष्ठित हथकरघा उत्पाद शामिल हैं। इसमें हथकरघा क्षेत्र के लिए विशेष रूप से तैयार की गई लागत-प्रभावी डेटा संग्रह और उत्सर्जन माप तकनीकों का भी विवरण दिया गया है, जिसका उद्देश्य पर्यावरण के अनुकूल उत्पादन प्रथाओं को बढ़ावा देना है।

प्रो. बिपिन कुमार ने इस क्षेत्र में कार्बन फुटप्रिंट आकलन को समझने और उन महत्वपूर्ण बिंदुओं की पहचान करने के लिए सभी हितधारकों को शामिल करने के महत्व पर बल दिया, जहां प्रभावी शमन उपायों को लागू किया जा सकता है।

एसआईआर पर संसद में चर्चा बेहद जरूरी : खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के वोट काटने का आरोप लगाया है। प्रवासी मजदूरों के वोट भी सूची से हटाए जा रहे हैं, जो उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने यहां के विजय चौक पर इंडी गठबंधन की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष दल एसआईआर पर लगातार संसद में चर्चा की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार इसे नजरअंदाज कर रही है। अगर सरकार इस गंभीर विषय पर भी चर्चा से बचती है तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि वह संविधान और लोकतंत्र में विश्वास नहीं रखती।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एसआईआर पर चर्चा बेहद जरूरी है क्योंकि यह सीधे नागरिकों के अधिकारों से जुड़ा हुआ मामला है। सभी विपक्षी पार्टियां एकजुट होकर लोकसभा के स्पीकर, राज्यसभा के सभापति और सरकार से इस विषय पर बहस की मांग कर रही हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। खरगे ने कहा कि 21 जुलाई 2023 को राज्यसभा के तत्कालीन सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा था कि सदन में धरती पर हो रही हर बात पर चर्चा हो सकती है, लेकिन अब कहा जा रहा है कि एसआईआर और चुनाव आयोग से जुड़े विषयों पर चर्चा नहीं हो सकती, जो चिंताजनक है।

हिंदू धर्म विविधता को स्वीकार करने की शिक्षा देता है, दुनिया को इसकी जरूरत है : भागवत

नागपुर (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि आज के संघर्षग्रस्त विश्व को हिंदू धर्म की आवश्यकता है, क्योंकि यह एक सार्वभौमिक धर्म है, जो विविधता को स्वीकार करने की शिक्षा देता है।

भागवत ने यहां धर्म जागरण न्यास के नये भवन के उद्घाटन के अवसर पर कहा, 'आज सम्पूर्ण विश्व को इसी 'धर्म' की आवश्यकता है। विश्व अपनी विविधताओं को स्वीकार करते हुए जीना नहीं जानता, इसीलिए इतने संघर्ष हो रहे हैं।' उन्होंने कहा कि भारतीयों के लिए 'धर्म' एक परम सत्य है।

उन्होंने कहा, 'यह धर्म एकता और सभी विविधताओं को स्वीकार करना सिखाता है। हम सभी विविधताओं को स्वीकार करते हैं। हम इसलिए अलग नहीं हैं, क्योंकि हम विविध हैं, यह धर्म यही हमें सिखाता है।' आरएसएस प्रमुख ने कहा कि यह एक सार्वभौमिक धर्म है, लेकिन चूंकि हिंदुओं ने इसे सबसे पहले खोजा था, इसलिए इसे हिंदू धर्म कहा जाने लगा।

उन्होंने कहा, 'अन्यथा, हिंदू धर्म प्रकृति का धर्म है, एक सार्वभौमिक पंथ है, मानवता का धर्म है। प्रत्येक हृदय को इस धर्म से जागृत होना चाहिए।' भागवत ने कहा कि धर्म का कर्तव्य केवल ईश्वर के प्रति ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति भी होता है। उन्होंने कहा कि भारत का इतिहास बताता है कि 'धर्म' के लिए अनेक बलिदान दिए गए। उन्होंने कहा, 'धर्म के लिए ढेरों सिर काटे गए, लेकिन किसी ने धर्म नहीं छोड़ा। आप सभी ने 'छावा' फिल्म देखी होगी। यह सब (बलिदान) हमारे लोगों ने किया। वे हमारे लिए एक मिसाल हैं।' हिंदी फिल्म 'छावा' मराठा राजा छत्रपति संभाजी के जीवन पर आधारित है, जिन्हें 1689 में मुगल सम्राट औरंगजेब ने कड़ी यातनाएं दीं और अंत में उन्हें मौत के घाट उतार दिया था।

भागवत ने कहा कि इस तरह के बलिदान आम लोगों द्वारा भी किए गए थे, क्योंकि उनका मानना था कि 'हमारा धर्म सत्य पर आधारित है और दुनिया का अंतिम सत्य यह है कि भले ही हम सामान्य जीवन में अलग-अलग दिखते हों, लेकिन हम सभी एक हैं।' उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म यह भी सिखाता है कि विभिन्न धर्मों के मार्ग एक ही मंजिल तक ले जाते हैं, इसलिए किसी को भी दूसरों के तौर-तरीकों को जबरन बदलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

'स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराएं', सरकार ने की 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन साल पहले शुरू हुई 'हर घर तिरंगा' पहल अब जन आंदोलन का रूप ले चुकी है। देशभर में समाज के अलग-अलग वर्ग के लोगों ने इस विचार को अपनाया है। इसी क्रम में, 'एक राष्ट्रगान, एक झंडा और एक राष्ट्र' की भावना के साथ इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय संस्कृति मंत्रालय ने कदम उठाए हैं। 15 अगस्त को 79वें स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर भारतीय संस्कृति मंत्रालय ने देशवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने की अपील की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के जरिए संस्कृति मंत्रालय ने लिखा, 卐हर घर तिरंगा अभियान में शामिल हों और देशभक्ति की भावना जगाएं। तिरंगा स्वयंसेवक के रूप में पंजीकरण करें, दूसरों को 15 अगस्त तक अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करें और अपनी 'सेल्फी विद तिरंगा' को 'हर घर तिरंगा' वेबसाइट पर अपलोड करें। भारत सरकार ने आजादी का अमृत महोत्सव के मौके पर 2022 में 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया था। इस अभियान के पीछे का विचार लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना पैदा करना और उन्हें भारत की यात्रा और इस महान राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने वालों की याद दिलाना है। 2022 में इस अभियान को अपार सफलता मिली, जहां 23 करोड़ परिवारों ने अपने घरों में तिरंगा फहराया और 6 करोड़ लोगों ने 'हर घर तिरंगा' वेबसाइट पर सेल्फी अपलोड कीं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लोकतांत्रिक मूल्यों से संचालित भारतीय वैश्विक नीति

बहुपक्षीय मंचों में, हम देखते हैं कि घोषणाओं को साजिशन कुंद किया जाता है। मानवाधिकारों को लाभ उठाने के औज़ार होने तक सीमित कर दिया गया है। जलवायु परिवर्तन के वादे दोहराए जाते हैं, लेकिन फिर चुपचाप एक तरफ सरका दिए जाते हैं। शरणार्थियों का अमानवीयकरण किया जा रहा है। अल्पसंख्यकों पर खुलेआम बेजा पुलिसिया दबाव रखा जा रहा है। युद्धों का मूल्यांकन उनकी मानवीय कीमत से नहीं, बल्कि इस आधार पर किया जाता है कि हथियार किसके हाथ में है।

लोकतांत्रिक मूल्यों से संचालित भारतीय वैश्विक नीति

आजादी के बाद भारत ने लोकतंत्र के सिद्धांतों को अपनाया। यानी शासन जनता के प्रति उत्तरदायी है। जिसकी जड़ें हमारे अतीत में हैं। वहीं लिबर्टी का पाठ पढ़ाने वाली वैश्विक ताकतें ही स्वार्थवश जनतांत्रिक राह त्याग रही हैं। हम दुनिया के साथ जुड़ाव चाहते हैं, लेकिन उनकी लोगों की कीमत पर नहीं जिनके पास न आवाज़ है, न वोट, न स्रोत। स्मृति महज वह नहीं जो कुछ हमें याद रहे। यह उस बारे में है, जो बनना हमें मंजूर नहीं।

उपनिवेशवाद न केवल धन-दौलत लूटता है, बल्कि गरिमा भी खंडित कर देता है। यह पराधीन राष्ट्रों को खुद पर संदेह करना, अपने सहज ज्ञान को नकारना और मान्यता पाने को दूसरे देशों की ओर तकना सिखाता है। भारत के लिए, यह घाव महज चुराए गए अन्न या लूटे गए खजाने का नहीं था। यह मानसिकता में कहीं ज्यादा गहरे तक बदलाव करने वाला रहा ः यह धारणा बना देना कि शासन, व्यवस्था और नैतिकता विदेशों की देन है।

तथापि, जब स्वतंत्रता मिली, तो भारत ने अपने उत्पीड़कों का अनुकरण नहीं किया। इसने प्रतिशोध को सिद्धांत या बहिष्कार को नीति के रूप में नहीं अपनाया। विभाजन की राख में, भीषण गरीबी और टुकड़े हुए उपमहाद्वीप के बीच, भारत ने एक क्रांतिकारी निर्णय लिया – अपने लोगों पर पूर्णतया भरोसा करने का। केवल पुरुषों पर ही नहीं, पढ़े लिखों पर ही नहीं, केवल पैसे वाले अमीरों पर नहीं बल्कि सभी पर। वयस्क नागरिकों के लिए समान मताधिकार कोई क्रमिक रियायत नहीं थी। यह आधारभूत हक था। अमेरिका द्वारा मताधिकार अधिनियम पारित करने से भी पहले, कई यूरोपीय मुल्कों द्वारा अपने नागरिकों को पूर्ण मताधिकार प्रदान करने से भी पूर्व, भारत अपने प्रत्येक नागरिक को आवाज़ दे चुका था। अपने जन्म के समय से ही, हमारा लोकतंत्र एक उधार लिया हुआ विचार न होकर सभ्यतागत सत्यापना थी।

लेकिन समय का अपना तरीका है नैतिक स्मृति की परीक्षा लेने का। आज, वही शक्तियां जो कभी हमें लिबर्टी का पाठ पढ़ाया करती थी, अब अपनी उन्हीं लोकतांत्रिक नसीहतों पर कायम रहने के लिए हाथ-पैर मार रही हैं। जिन बाज़ारों को उन्होंने कभी मुक्त बनाया था, अब उसी को डिजिटल दीवारों और टैरिफ बैरिकेड्स की ढाल के पीछे महफूज बना रही हैं। सबके लिए जिस स्वतंत्रता का कभी वे जोर-शोर से प्रचार करती थीं, अब चुन-चुनकर राष्ट्रों पर प्रतिबंध लगा रही हैं, इसमें सहयोगियों को छूट तो अन्य को नहीं। करुणा सशर्त बन गयी। व्यापार जोर-ज़बरदस्ती करने का औजार बन गया है।

अब यदि लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं मुक्त बाज़ार पर हमला कर रही हैं, आवाज़ों को दबा रही हैं, टैरिफ का बाजा बजा रही हैं, तुरत-फुरत महानता पाने को, आतंकवादी शासनों से दोस्ती कर रही हैं और अपनी ही दी नैतिक नसीहतों को दरकिनार कर रहीं, तब फिर उन हस्ताक्षरों का क्या मोल, जो वे सकंल्पपत्रों पर और सम्मेलनों में बड़े गर्व से करती हैं?

बहुपक्षीय मंचों में, हम देखते हैं कि घोषणाओं को साजिशन कुंद किया जाता है। मानवाधिकारों को लाभ उठाने के औज़ार होने तक सीमित कर दिया गया है। जलवायु परिवर्तन के वादे दोहराए जाते हैं, लेकिन फिर चुपचाप एक तरफ सरका दिए जाते हैं। शरणार्थियों का अमानवीयकरण किया जा रहा है। अल्पसंख्यकों पर खुलेआम बेजा पुलिसिया दबाव रखा जा रहा है। युद्धों का मूल्यांकन उनकी मानवीय कीमत से नहीं, बल्कि इस आधार पर किया जाता है कि हथियार किसके हाथ में है।

इस बीच, भारत कई लोगों के लिए पहेली बना हुआ है। विकासशील और लोकतांत्रिक। कुछ गड़बडियां है, फिर भी वजूद कायम है। विशाल, फिर भी शायद ही कभी साम्राज्यवादी हसरतें। हमने उन लोगों का तिरस्कार अंगीकार किया जिन्हें हमारे तौर-तरीके की समझ नहीं थी। हमने उन लोगों की उदासीनता को झेला है जिन्होंने हमारी आवाज़ को खारिज कर रखा था। फिर भी अपने लोगों और दुनिया के साथ बनाए मौन अनुबंध में हमने अपना विश्वास नहीं खोया। हम परिपूर्ण नहीं हैं। खामियां हममें भी हैं। लेकिन हम दिखावा नहीं करते। और यही अंतर मायने रखता है।

वैश्विक व्यवस्था में हमारी आमद इसके पाखंडों की विरासत अपनाने के लिए नहीं हुई। हम इसकी निराशावादिता को प्रतिबिंबित करने की एवज में मंच पर अपनी जगह नहीं चाहते। और हमें उनके भाषण की कतई जरूरत नहीं है जो यादों को सुविधानुसार बरतते हैं और न्याय को सौदेबाजी के औजार के रूप में। हमारे संयम को अक्सर मौन समझा जाता है व हमारी सभ्यता को दासता प्रवृत्ति। लेकिन भारत के सभ्यागत दिशा सूचक की सुई वैश्विक स्वीकृति की तरंगों मुताबिक नहीं हिलती। इसकी जड़ें बैलेंस शीट और शिखर सम्मेलन की घोषणाओं से कहीं गहरी हैं। आत्म-सुधार इसका जन्मजात गुण है।

और अब, जबकि दुनिया अपने ही अंतर्विरोधों के बोझ तले चरमरा रही है, तो प्रलोभन दिया जाएगा कि हम पीछे हट जाएं, दूसरों को पुनः दुनिया की इबारत तय करने दें और विनम्र सम्मानवश सहमति का सिर हिलाते रहें। लेकिन वह युग बीत चुका है।

हाथी की यादाश्त बहुत होती है : उसे 1947 याद है, जब हमने अधिनायकवादी शासन की बजाय लोकतंत्र को चुना। उसे 1971 याद है, जब पड़ोस में नरसंहार के खिलाफ अकेले हम खड़े हुए थे। उसे 1991 याद है, जब हमने न केवल अपनी अर्थव्यवस्था, बल्कि अपने आत्मविश्वास का भी पुनर्गठन किया था। उसे 1998 याद है, जब साधन संपन्न राष्ट्र परमाणु ताकत को वैश्विक श्रेष्ठता का पैमाना मानते थे, और विशिष्ट समूह में हम जबरदस्ती घुसे, किंतु परमाणु हथियार पहले इस्तेमाल न करने की घोषणा की। और दुनिया ने हाल में ऑपरेशन सिंदूर देखा।

हमने जो भी किया, संयम और संकल्प इसकी कुंजी रही। हमने महाशक्तियों की घुड़कियां सुनी, आक्रामकता भरी भौंक सुनी, अवसरवादिता की तीखी चीखें भी। लेकिन दुनिया ने अभी तक हाथी की चिंघाड़ नहीं सुनी है, युद्धघोष के रूप में नहीं, बल्कि स्मृति, नैतिकता और दिशा का आह्वान करने वाली।

वह समय अब आ गया है : इसलिए नहीं कि हम कुछ थोपना चाहते हैं, बल्कि इसलिए कि हमें नकल करने से इन्कार है। वार्ता में हावी होने के लिए नहीं, बल्कि उसे किसी ऐसे ठोस लंगर से बांधने को, जो मुनाफे की बजाय चिरकालिक अधिक हो।

पाखंडवाद की नई रणनीति ः बात करो मूल्यों की पर काम करो स्वहित का। यूक्रेन को लेकर आवाज़ उठाओ, किंतु गाज़ा पर नज़रें फेर लो। एक अत्याचारी पर प्रतिबंध लगाओ तो दूसरे को सलाम बजाओ। मुक्त व्यापार के नाम पर उन हुकूमतों के साथ भी साझेदारी करो, जहां असल राजकाज सैन्य वर्दी के हाथ में रहता है और बदलाव की मांग करने वाले अपने ही नेताओं को कैद कर लेती है। भारत दहाड़ता नहीं, न ही गरजता है। गूंजता भी नहीं लेकिन उसे सब याद है। और जब अंततः बोलता है, गुस्से में आकर नहीं, बल्कि दृढ़ विश्वास के साथ, तो वह दूसरों को डुबोने की कोशिशें नहीं करता। केवल उन्हें याद दिलाने की खातिर।

ऐसे में, जब लोकतंत्र अपने ही प्रतिबिंब को धुंधला करने लगे हैं, सैन्य शासनों के साथ गठबंधन कर रहे हैं, निर्वासनों पर आंखें मूंद रखी हैं, और ताकतवरों में अपनी सुविधा खोज रहे हैं। तब खतरा हो गया है उन आदर्शों को त्यागने का जिनका वे कभी निर्यात करते थे। जब रणनीतिक पहुंच की कीमत दमन पर चुप्पी साधना बन जाए, जब सैन्य पंचाट व्यवस्था का अलम्बरदार होने का चोला ओढ़ ले, और जब शासन व्यवस्था सुधारकों का वेश बनाए गुप्त-पारिवारिक अभिजात वर्ग की पालतू बन जाए, तब राष्ट्र और उसकी जनता के बीच नाता लोकतांत्रिक नहीं रहता, वंशवादी हो जाता है। यह केवल कुछ लोगों के लिए ही टिकाऊ बन जाता है।

हाथी की चिंघाड़ ः हमारी साझेदारियां लेन-देन आधारित नहीं हैं। हमारी मित्रताएं अंधी नहीं हैं। हम दुनिया के साथ जुड़ाव चाहते हैं, लेकिन उन लोगों की कीमत पर नहीं जिनके पास न आवाज़ है, न वोट, न स्रोत क्योंकि स्मृति महज वह नहीं जो कुछ हमें याद रहे। यह उस बारे में है, जो बनना हमें मंजूर नहीं।

हाथी भूलता नहीं ः उसके पास गरिमा और मुक्त बाज़ार में मांग के बीच फंसे हुए 140 करोड़ लोग हैं। वह पिछलग्गू नहीं है। वह आईने की भांति प्रतिबिम्ब दिखाता है। कब चलना है और कब चिंघाड़ना है, यह खुद तय करता है।

लेखक सेना की पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर और पुणे अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के संस्थापक ट्रस्टी हैं।

संपादकीय

कुदरत का कोहराम

मानसून की दस्तक के साथ ही हिमाचल व उत्तराखंड में दरकते पहाड़ व रौद्र रूप दिखाती नदियां चिंता बढ़ाने वाली हैं। कुदरत के कहर के सामने इंसान बौना ही नजर आता है। तमाम मुख्य नदियां उफान पर हैं। जगह-जगह भूस्खलन से सड़कें ठप पड़ी हैं। हिमाचल में मूसलाधार बारिश के बीच मलबा व पत्थर गिरने से सैकड़ों सड़कें बंद हो गई हैं। सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। पहले हम गर्मी से त्रस्त होकर बारिश की आस लगाए होते हैं, लेकिन जब बारिश आती है तो स्थितियां डराने वाली हो जाती हैं। निस्संदेह ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। बारिश कम समय में ज्यादा मात्रा में बरसती है। जिससे न केवल पहाड़ों में कटाव बढ़ जाता है बल्कि पानी के साथ भारी मात्रा में मलबा गिरकर रास्तों व पानी के प्राकृतिक मार्गों को अवरुद्ध कर देता है। यह संकट इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि हमने पहाड़ों को विलसिता का केंद्र बना दिया है। तीर्थाटन अब पर्यटन जैसा हो गया है। पर्यटकों के वाहनों से छोटी सड़कें और पुल दबाव में हैं। नीति-नियंताओं ने पहाड़ों में सड़कों को फोर लेन-सिक्स लेन बनाने का जो उपक्रम किया है, उससे पहाड़ों का नैसर्गिक वातावरण खतरे में है। पहाड़ों के किनारे काटने से भूस्खलन की गति तेज हुई है। गाहे-बगाहे पहाड़ों का मलबा सड़कों पर गिरकर यातायात को अवरुद्ध कर देता है। यात्रियों के जीवन पर हर समय संकट बना रहता है। हिमाचल की ही तरह से कुदरत के कोहराम से उत्तराखंड भी बुरी तरह त्रस्त है। भागीरथी, अलकनंदा, मंदाकिनी व पिंडर आदि नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। चारधाम यात्रा मार्ग पर मलबा गिरने की घटनाएं बढ़ने से यात्रा कुछ समय के लिये स्थगित की गई है। बार-बार भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया जा रहा है। जगह-जगह सड़कों के कटने से सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं। कई गांवों को जोड़ने वाली सड़कें बह गई हैं। बादल फटने की आशंका भी लगातार बनी रहती है। बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री जाने वाले मार्ग जगह-जगह बाधित हैं। भारी बारिश की आशंका को देखते हुए स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टियां घोषित की गई हैं। सामान्य जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कई मोटरमार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हुए हैं। कई छोटे पुल बह गए हैं। कई निचले स्थानों से लोगों को हटाया गया है। कुल मिलाकर लाखों लोगों को अतिवृष्टि ने बंधक बना दिया है। निश्चित रूप से तेज बारिश और उसके प्रभाव इंसानी नियंत्रण से बाहर होते हैं। लेकिन इसके बावजूद पहाड़ी इलाकों में विकास के मॉडल पर नये सिरे से विचार करने की जरूरत है। पहाड़ अध्यात्म के केंद्र भी रहे हैं, उन्हें पर्यटकों की विलसिता का केंद्र नहीं बनाया जाना चाहिए। हमें अपेक्षाकृत नये हिमालयी पहाड़ों और उसके परिस्थितिकीय तंत्र के प्रति संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। ज्यादा मानवीय हस्तक्षेप से ग्लेशियर पिघल रहे हैं और नदियों का बढ़ा जल संकट का कारण भी बन रहा है।

देश में हरित क्रांति के जनक वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ

(लेखक – संजय गोस्वामी/ईएमएस)

जन्म तिथि 7 अगस्त25 पर विशेष)

वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ का पूरा नाम मनकोम्बु संबाशिवन स्वामीनाथ था। उनका जन्म 7 अगस्त 1925 को हुआ था। वह कृषि वैज्ञानिक के साथ ही पादप आनुवंशिकीविद **(Plant Geneticist)** भी थे। उनको 1972 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद **(ICAR)** का महानिदेशक बनाया गया और भारत सरकार के सचिव के रूप में नियुक्त किया गया था। देश में हरित क्रांति की शुरुआत करने वाले महान कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन **(MS Swaminathan)** को केंद्र सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया गया वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथ ने देश को कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए बड़ा काम किया था। स्वामीनाथन ने गेहूं और चावल की ऐसी वेरायटी तैयार की थी जिससे न केवल पैदावार में इजाफा हुआ, बल्कि उनके प्रयासों से देश को सूखे से बचाने में भी मदद मिली। उनका विवाह मीना स्वामीनाथन से हुआ था, जिनसे उनकी मुलाकात 1951 में हुई थी जब वे दोनों कैम्ब्रिज में पढ़ रहे थे। वे चेन्नई, तमिलनाडु में रहते थे। उनकी तीन बेटियाँ सौम्या स्वामीनाथन (एक बाल रोग विशेषज्ञ), मधुरा स्वामीनाथन (एक अर्थशास्त्री), और नित्या स्वामीनाथन (लिंग और ग्रामीण विकास) हैं।गांधी और रमण महर्षि ने उनके जीवन को प्रभावित किया।अपने परिवार के स्वामित्व वाली 2000 एकड़ जमीन में से, उन्होंने एक तिहाई विनोबा भावे के कारण दान कर दी। 1960 के दशक में भारत समेत पड़ोसी देशों को अकाल की स्थिति से बचाने में उन्होंने महत्वपूर्ण काम किया था।बाद में 1979 में वह प्रधान सचिव बनाए गए थे। वह योजना आयोग में भी रहे। देश को सूखे से बचाने पर उन्होंने महत्वपूर्ण काम किया था।अपने करियर की शुरुआत सिविल सेवा से की, लेकिन उनकी रुचि कृषि में थी। इस वजह से उन्होंने इस क्षेत्र में रिसर्च करना शुरू कर दिया। यूरोप और अमेरिका के कई बड़े संस्थानों में उन्होंने अपने रिसर्च से महत्वपूर्ण खोजे कीं और उपलब्धियां हासिल कीं। 1954 में उन्होंने सेंट्रल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट **(Central Rice Research Institute)** कटक में जैपोनिका किस्मों से इंडिका किस्मों में फर्टिलाइजर रिस्पांस के लिए जीन ट्रांसफार्मर करने पर बड़ा काम किया।उन्होंने इसे 'उच्च उपज देने वाली किस्मों को विकसित करने का पहला प्रयास बताया जो अच्छी मिट्टी की उर्वरता और अच्छे जल प्रबंधन का जवाब दे सकती हैं।' इसकी आवश्यकता इसलिए थी क्योंकि आज़ादी के बाद भारतीय कृषि बहुत अधिक उत्पादक नहीं थी। वर्षों के औपनिवेशिक शासन ने इसके विकास को प्रभावित किया और देश के पास इस क्षेत्र को आधुनिक बनाने के लिए संसाधनों की कमी थी। हालत यह थी कि भोजन के लिए जरूरी फसलों को भी अमेरिका जैसे देशों से आयात करना पड़ता था। कृषि वैज्ञानिक मनकोम्बु सम्बाशिवन स्वामीनाथन, जिन्हें भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है, ने 1960 के दशक के मध्य में कृषि उत्पादन में वृद्धि का काम किया। मेक्सिको में एमएपी की सफलता से प्रेरित होकर, उन्होंने बोरलॉग के साथ मिलकर नई मैक्सिकन गेहूँ की किस्में विकसित कीं। नए बीजों से लैस, स्वामीनाथन ने कठोर परीक्षणों के माध्यम से उनकी क्षमता का प्रदर्शन करके किसानों और भारत सरकार को उन्हें अपनाने के लिए राजी करने के मिशन की शुरुआत की। 1966 में भारत ने 18,000 टन नए मैक्सिकन गेहूँ के बीज आयात किए, जिससे भारत में, विशेष रूप से उत्तर-पश्चिमी राज्यों पंजाब और हरियाणा में, गेहूँ के उत्पादन में आमूल-चूल परिवर्तन आया। भारत में गेहूँ का उत्पादन 1965 के 1.2 करोड़ टन से बढ़कर 1970 में 2 करोड़ टन हो गया। उच्च उपज वाले चावल के बीजों की किस्मों के विकास के साथ भारत में चावल का उत्पादन भी बढ़ा। 1971 में भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर हो गया, और 1970 के दशक के अंत तक भारत दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादकों में से एक बन गया। प्रभाव मेक्सिको में एक प्रयोग के रूप में शुरू हुई इस क्रांति ने अंततः दुनिया भर में, विशेष रूप से ब्राज़ील, चीन, पाकिस्तान और फिलीपींस जैसे विकासशील देशों में, कृषि में क्रांति ला दी। हरित क्रांति ने कृषि का औद्योगिकीकरण किया। रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और सिंचाई की विशेषता वाली आधुनिक खेती ने खेती के पारंपरिक तरीकों का स्थान ले लिया। हालाँकि यह प्रगति अभूतपूर्व थी, लेकिन इसके परिणाम भी हुए। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण प्रदूषण, मृदा क्षरण और जैव विविधता में कमी आई। बड़े पैमाने पर सिंचाई परियोजनाओं के परिणामस्वरूप भूजल स्तर में कमी आई है। गरीब किसान अक्सर उच्च उपज वाले बीज, उर्वरक और सिंचाई प्रणाली जैसे आधुनिक कृषि सामग्री नहीं खरीद पाते हैं, जिससे उनकी उपज कम हो जाती थी , हरित क्रांति सही दिशा में एक बदलाव है, लेकिन इसने दुनिया को स्वप्नलोक में नहीं बदल दिया है। इसकी सीमाओं के बारे में उन लोगों से ज़्यादा कोई नहीं जानता जिन्होंने इसे शुरू किया और इसकी सफलता के लिए संघर्ष किया। यह देखते हुए कि हरित क्रांति ने भूख और अभाव के खिलाफ मनुष्य के युद्ध में एक अस्थायी सफलता हासिल की है, सरकारों और अन्य हितधारकों को न केवल कृषि अनुसंधान में बल्कि शिक्षा, रोजगार, आवास और स्वास्थ्य सेवा में भी आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। स्वामीनाथन का 28 सितंबर 2023 को चेन्नई स्थित उनके घर पर 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जिन्हें आज भी भारत में हरित क्रांति के जनक के रूप में जाना जाता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

'थुकदम' पर शोध खोलेगा जीवन- मृत्यु का रहस्य

गीता में कहा गया है कि शरीर तो एक पुतला मात्र है इसमें मौजूद आत्मा जीव है। यह जिस शरीर में होता है उस शरीर के गुण, कर्म और अपेक्षा के अनुरूप मृत्यु के बाद नया शरीर धारण कर लेता है। आत्मा न तो जन्म लेता है और न इसकी मृत्यु होती है। जब तक आत्मा शरीर में रहती है तब-तक शरीर जीवत रहता है। आत्मा द्वारा शरीर का त्याग करते ही शरीर सड़ने लगता है और इससे बदबू आने लगती है। गरूड़ पुराण में कहा गया है कि व्यक्ति की मृत्यु के बाद भी काफी समय तक आत्मा शरीर के आस-पास भटकती रहती है। जिस व्यक्ति की मृत्यु आ जाती है और उनका मोह शरीर से लगा रहता है उनकी आत्मा को यमदूत जबरदस्ती खींचकर ले जाते हैं। यही कारण है कि प्राचीन काल में योगी मुनि अपनी इच्छा से योग द्वारा शरीर का त्याग करते थे।

माना जाता है कि इस प्रकार शरीर का त्याग करने से सद्गति प्राप्त होती है। हिन्दू धर्म के अलावा बौद्ध धर्म में भी ऐसी ही मान्यता है। इसलिए बौद्ध भिक्षु भी योग द्वारा शरीर त्याग किया करते थे। योग द्वारा शरीर का त्याग करने से शरीर जल्दी दूषित नहीं होता है, क्योंकि उसमें जीवन का अंश मौजूद रहता है। हाल ही में धर्मशाला स्थित डेलेक अस्पताल में बौद्ध भिक्षु गैंगिंग खेतरुल रिंपोंछे की मौत के छह दिन बाद भी उसके पार्थिव शरीर के सुरक्षित रहने से दुनिया भर के चिकित्सक हैरान हैं। हालांकि इससे पूर्व जनवरी 2013 में भी दक्षिण भारत की ड्रेपुंग मोनेस्ट्री में इस तरह का मामला सामने आया है, जिसमें मोनेस्ट्री के प्रमुख रहे लोबसंग निमा मौत के बाद 18 दिन तक इसी अवस्था में रहे थे।

इन घटनाओं ने मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति की मान्यताओं पर एक नयी बहस छेड़ दी है और शास्त्रों एवं पुराणों की मान्यताओं पर पुनः अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया है। हालांकि, वैज्ञानिक शोध में जुटे चिकित्सक अभी तक यही मान रहे हैं कि जब तक आत्मा है, तब तक शरीर सुरक्षित रहेगा। थुकदम (यानी मृत्यु के बाद भी शरीर के यथावत रहने की मुद्रा) के शोध प्रोजेक्ट पर काम कर रहे डेलेक अस्पताल के चीफ मेडिकल आफिसर डा. छेतेन दोरजे का कहना है कि विज्ञान हालांकि इस बात को स्वीकार नहीं करता मगर, हमें मानना होगा कि यह जीवन और जीवन के बाद आत्मा से जुड़ा पहलू है। उन्होंने दावा किया बहुत जल्द वैज्ञानिक तथ्यों के साथ वह इसके रहस्य तक भी पहुंचने वाले हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें इस तरह के और सब्जेक्ट की तलाश है।

विचार मंथन

सुप्रीम कोर्ट के जज दीपांकर दत्ता की टिप्पणी पर बवाल

(लेखक-सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपांकर दत्ता की राहुल गांधी के बारे में हालिया टिप्पणीअगर आप सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते। इस टिप्पणी ने सारे देश में तूफान खड़ा कर दिया है। न्याय पालिका और न्यायाधीशों की मर्यादा, सीमाओं पर गहरा विचार विमर्श होने लगा। यह टिप्पणी विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भारत-चीन सीमा विवाद पर दिए गए बयान के संदर्भ में थी। उन्होंने कहा था,चीन ने भारत की भूमि पर कब्जा कर लिया है। उप्र में उनके बयां पर मानहानी का मुकदमा उप्र की कोर्ट में चल रहा है। यह चिंता का विषय है, एक संवैधानिक संस्था, जो अपने विवेक, संतुलन और मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान द्वारा संरक्षित की गई है। वह एक राजनीतिक बयान को देशभक्ति की परीक्षा में बदल दे। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ड्ड) मे नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। ऐसे में विपक्षी नेता द्वारा सरकार से राष्ट्रीय सुरक्षा पर सवाल करना ना केवल उसका अधिकार है, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा और संविधान के मौलिक अधिकारों में शामिल है। इस अधिकार को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी सुप्रीम कोर्ट की ही है। सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को राहत मिली। जस्टिस दत्ता ने जो टिप्पणी की उनके बाद देश भर में बवाल मच गया। गंभीर सवाल यह है, क्या अदालतें अब नागरिकों की भारतीयता का मूल्यांकन करेंगी? क्या सच्चा भारतीय होने का प्रमाण न्यायालय तय करेगा? यह प्रवृत्ति न केवल लोकतांत्रि शासन व्यवस्था विमर्श के लिए खतरनाक है, बल्कि न्यायिक निरपेक्षता पर भी गहरा आघात है। सत्ता पक्ष की आलोचना को देशद्रोह या राष्ट्र विरोध की परिभाषा में समेटना लोकतंत्र के लिए घातक है। जब सुप्रीम कोर्ट के एक जज ही इस तरह की टिप्पणी करें, उसके बाद संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं रहेगा। राहुल गांधी पर टिप्पणी करने से पहले दत्ता को यह भी समझाना चाहिए था। उनकी टिप्पणी पर किस तरह की प्रतिक्रिया होगी। राहुल के पहले भाजपा के अपने सांसद ने और एक वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद सुब्रमण्यम स्वामी अतीत में वही बात कह चुके थे। उन पर कोई टिप्पणी किसी भी न्यायाधीश की नहीं आई। सुप्रीम कोर्ट के इस दोहरे मापदंड की देश भर में चर्चा होने लगी है।

पिछले कुछ वर्षों में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों में सुनवाई के दौरान टिप्पणी करने का चलन बढ़ गया है। जब आदेश आता है तो इन टिप्पणी का कोई वजूद आदेश में नहीं रहता है। सत्ता पक्ष कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणी पर विपक्षियों पर हमला करने और अपने राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करता है। न्यायालयों को अपनी लक्ष्मण रेखा नहीं भूलनी चाहिए। उनका कार्य फैसला देना है, उपदेश देना या टिप्पणी करना नहीं है। सच्चा भारतीय जैसे वाक्य अदालत की गरिमा और उसके कार्यक्षेत्र के अनुरूप नहीं हैं। इस तरह की टिप्पणी को लाभ पहुंचाने का एक राजनीतिक तौर तरीका बन गया है।

इस टिप्पणी ने न्यायपालिका, राजनीति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के त्रिकोण में देश में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। यह बहस केवल राहुल गांधी तक सीमित नहीं रही। यह देश के हर नागरिक की अभिव्यक्ति और अधिकार से जुड़ी टिप्पणी है। क्या लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना, देशद्रोह और भारतीय नागरिकता पर संदेह का आधार बनेगा? सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद जिस तरह से भाजपा के मीडिया सेल बीजेपी के नेताओं तथा सरकार मैं बैठे हुए लोगों ने राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोलकर उनके उपर हमला किया है। यह राहुल गांधी अथवा विपक्षी दलों की सरकारें है वहां पहली बार नहीं हुआ है। इन दिनों केंद्र सरकार के मंत्री बार-बार कहते हैं।यदि सरकार से सहमत नहीं है, तो कोर्ट चले जाएं। जब कोर्ट जाते हैं, तब वहां से इस तरह की टिप्पणी विपक्षियों को उन्हें दोहरा नुकसान पहुंचती हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट से फैसला और आदेश नहीं मिलता हैं। हां सुनवाई के दौरान जजों द्वारा जो टिप्पणी की जाती हैं। वह सरकार और भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने का काम करती हैं। न्यायालय के पीछे छुपकर सत्तापक्ष की राजनीति की जो नई बयार (क्रोनोलॉजी) बह रही है। उसे देश के विपक्षी राजनीतिक दलों,वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने समझ लिया है। न्यायपालिका को लेकर यह धारणा बनने लगी है। सरकार जो चाहती है, उसी के अनुकूल फैसले होते हैं। पिछले कुछ समय से इसका विरोध अब दिखने लगा है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट जो टिप्पणी करती है फैसले उसके अनुरुप नहीं होते है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में डीमैट खातों की संख्या 20 करोड़ के पार

नई दिल्ली । भारत में शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड जैसे निवेश माध्यमों की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से देश में डीमैट खातों की संख्या पहली बार 20 करोड़ के पार पहुंच गई है। सीडीएसएल और एनएसडीएल के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 31 जुलाई 2025 तक सीडीएसएल के पास 16.1 करोड़ डीमैट खाते थे, जबकि एनएसडीएल के पास 30 जून 2025 तक 4.05 करोड़ खाते दर्ज थे। इन आंकड़ों को मिलाकर कुल डीमैट खातों की संख्या 20.16 करोड़ तक पहुंच गई है, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि इस वृद्धि के पीछे मुख्य रूप से 30 वर्ष से कम उम्र के युवा निवेशकों की भागीदारी है। उनके अनुसार, उनके प्लेटफॉर्म पर लगभग 75 फीसदी नए खाते युवा निवेशकों द्वारा खोले गए हैं। यह दर्शाता है कि युवा वर्ग अब निवेश के प्रति ज्यादा जागरूक और सक्रिय हो रहा है। हालांकि, नए डीमैट खाते खुलने की गति 2025 में कुछ धीमी हुई है। जहां 2024 में प्रति माह औसतन 30 से 46 लाख नए खाते खुलते थे, वहीं इस वर्ष यह संख्या घटकर 20 से 28 लाख प्रति माह रह गई है।

श्री लोटस डेवलपर्स का शेयर 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड का शेयर बुधवार को अपने आईपीओ निर्गम मूल्य 150 रुपये से 19 फीसदी से अधिक बढ़त के साथ बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 179.10 रुपये पर खुला और बाद में 183.40 रुपये तक पहुंच गया, जो 22.27 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। एनएसई पर भी शेयर 178 रुपये पर खुला और 183.70 रुपये पर कारोबार करने लगा। कंपनी का एनएसई पर बाजार मूल्यांकन 8,971 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने 792 करोड़ रुपये के आईपीओ में पूरी तरह नए शेयर जारी किए, जिसमें कोई ऑफर फॉर सेल नहीं था। आईपीओ को 69.14 गुना अभिदान मिला था। इस सफलता से कंपनी के भविष्य और निवेशकों के भरोसे को मजबूती मिली है।

देश के नागरिकों का हित और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकताः संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान कहा कि देश के नागरिकों का हित और कल्याण आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से समाज के निचले तबके के लोगों को ध्यान में रखते हुए कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। मल्होत्रा ने बताया कि वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1 जुलाई से 30 सितंबर तक देशभर के पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में लोगों को नए बैंक खाते खोलने, केवाईसी दोबारा कराने और बीमा व पेंशन योजनाओं से जोड़ने का अवसर मिलेगा। साथ ही, ग्राहक शिकायतों का समाधान भी मौके पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जन-धन योजना के 10 वर्ष पूरे होने के बाद बड़ी संख्या में खातों की केवाईसी प्रक्रिया दोबारा की जा रही है, जिससे कुछ खाते बंद हुए हैं। इसलिए, आम जनता की सुविधा के लिए स्थानीय स्तर पर बैंकिंग सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

सरला एविएशन ने राजीव बंसल को सलाहकार नियुक्त किया

मुंबई । बेंगलुरु स्थित एयर टैक्सी स्टार्टअप सरला एविएशन ने बुधवार को पूर्व नागर विमानन सचिव राजीव बंसल को अपना सलाहकार नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी की ओर से जारी बयान में बताया गया कि बंसल अब नियामकीय सेवाओं और प्रमाणन से जुड़ी रणनीति के विकास में कंपनी का मार्गदर्शन करेंगे। राजीव बंसल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के तहत लगभग 35 वर्षों तक विभिन्न पदों पर कार्य किया है। वे अगस्त 2023 में सेवा से सेवानिवृत्त हुए और अपने कार्यकाल के दौरान एयर इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी रहे हैं। उनके पास विमानन क्षेत्र का गहरा अनुभव और नीतिगत समझ है, जो अब सरला एविएशन के काम आएगी।

भारत को टैरिफ की धमकी दे रहे डोनाल्ड....द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन कर रहा देश में बंपर कमाई

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार का भारत से गहरा कारोबारी रिश्ता है। हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप परिवार का संगठन, द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन, भारत को अमेरिका के बाहर अपने सबसे बड़े बाज़ार के रूप में देखता है। द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन ने बीते 10 सालों में भारत में कई बड़े रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स शुरू किए हैं, जिसमें गुरुग्राम, पुणे, मुंबई और कोलकाता जैसे शहर शामिल हैं। इन प्रोजेक्ट्स से संगठन ने 175 मिलियन (1450 करोड़ से ज़्यादा) से ज़्यादा की कमाई की है।

2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की जीत के बाद, उनके संगठन ने भारत में अपने कारोबार को और भी तेज़ी से बढ़ाया है। उन्होंने भारतीय पार्टनर ट्रिबेका डेवलपर्स के साथ मिलकर छह नए प्रोजेक्ट्स का ऐलान किया है, जिनकी कुल बिक्री 1.8 बिलियन डॉलर (15,000 करोड़) से ज़्यादा होने की उम्मीद है। ये प्रोजेक्ट्स पुणे, गुरुग्राम, हैदराबाद, मुंबई, नोएडा और बेंगलुरु जैसे शहरों में बनाए जा रहे हैं।

बात दें कि द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन सीधे तौर पर निर्माण में पैसे नहीं लगाता। इसके बजाय, वह अपने ब्रांड का इस्तेमाल करने की अनुमति देता है, जिसके बदले में द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन को प्रोजेक्ट की बिक्री से 3 से 5 प्रतिशत तक का हिस्सा मिलता है। इस मॉडल के चलते, ट्रंप ब्रांड के लग्ज़री फ्लैट्स की कीमतें ज़्यादा होती हैं, जिससे संगठन को बड़ा मुनाफ़ा होता है।

एक ओर जहां राष्ट्रपति ट्रंप अपनी राजनीतिक रैलियों में भारत को डेड इकोनॉमी बताते हैं और टैरिफ लगाने की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर उनके परिवार का भारत के साथ व्यापारिक संबंध लगातार मजबूत हो रहा है। यह दिखाता है कि उनकी राजनीतिक बयानबाजी और उनके कारोबारी हित दोनों अलग-अलग हैं। इतना ही नहीं ट्रंप के बेटे एरिक और डोनाल्ड ट्रंप जूनियर भी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं कि भारत उनके संगठन के लिए सबसे बड़ा विस्तार वाला बाज़ार है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ ही 87.77 पर बंद हुआ। वहीं रुपया मंगलवार को 87.78 पर बंद हुआ था। शुरुआती कारोबार में रुपया 15 पैसे की बढ़त के साथ ही 87.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.72 पर खुला। फिर थोड़ी गिरावट के साथ 87.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया मंगलवार को अपने सर्वकालिक निम्न स्तर पर पहुंच गया और 22 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.88 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 98.71 पर आ गया।

एमएंडबी इंजीनियरिंग का शेयर बाजार में आठ प्रतिशत चढ़ा

- लिस्टिंग के कुछ ही समय बाद शेयर में तेजी देखी गई

नई दिल्ली । देश की प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनियों में से एक एमएंडबी इंजीनियरिंग लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत की। कंपनी का शेयर एनएसई पर अपने निर्गम मूल्य 385 पर सूचीबद्ध हुआ, जबकि बीएसई पर यह मामूली बढ़त के साथ 386 पर खुला। लिस्टिंग के कुछ ही समय बाद शेयर में तेजी देखी गई और यह एनएसई पर 415.60 तथा बीएसई पर 413.70 तक पहुंच गया, जो क्रमशः 7.74 फीसदी और 7.45 फीसदी की बढ़त को दर्शाता है। कंपनी का कुल बाजार पूंजीकरण बीएसई पर 2,379.94 करोड़ रहा। एमएंडबी इंजीनियरिंग के 650 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी और इसे अंतिम दिन तक 36.2 गुना अधिक अभिदान प्राप्त हुआ। यह आईपीओ 275 करोड़ के नए शेयर और 375 करोड़ की ओएफएस (ऑफर फॉर सेल) का संयोजन था। शेयर का मूल्य दायरा 366 से 385 प्रति शेयर तय किया गया था। कंपनी ने अपने आईपीओ से पहले एंकर निवेशकों से लगभग 292 करोड़ जुटाए थे। जुटाई गई राशि का उपयोग कंपनी द्वारा उपकरण व मशीनरी की खरीद, ऋण भुगतान, कार्यशील पूंजी और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। तेजी से लिस्टिंग और भारी अभिदान से स्पष्ट है कि निवेशकों को कंपनी के भविष्य की वृद्धि क्षमता और इंजीनियरिंग सेक्टर में उसकी भूमिका पर पूरा भरोसा है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई । आज कारोबार के दौरान आईटी और फार्मा शेयरों में हुई भारी गिरावट से भी बाजार पर दबाव आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 166.26 अंक नीचे आकर 80,543.99 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 73.35 अंक फिसलकर 24,574.20 अंक पर आ गया। आज रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बनाये रखा जिससे भी कई क्षेत्रो में गिरावट दर्ज की गयी और बाजार लाल निशान पर बंद हुए।

आज के बाजार में सेंसेक्स कंपनियों में से इन्फोसिस, सन फार्मास्युटिकल्स, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे जबकि अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, बीईएल और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर उछले।

इससे पहले आज सुबह आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति एमपीसी ने रेपो रेट को 5.5 प्रतिशत पर स्थिर बनाए रखने का ऐलान किया। इस घोषणा के बाद सेंसेक्स लगभग 116 अंक गिरकर 80,600 के स्तर पर पहुंच गया। जबकि एनएसई निफ्टी50 इंडेक्स 50 अंक की गिरावट के साथ 24,600 के स्तर पर आ गया। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कोर महंगाई दर 4 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि सामान्य से बेहतर दक्षिण-पश्चिम मानसून और अन्य अनुकूल परिस्थितियां देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन देना जारी रखे हुए हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक नई चेतावनी जारी करते हुए कहा कि वह अगले 24 घंटों में टैरिफ में 'काफी भारी' बढ़ोतरी करेंगे क्योंकि भारत रूसी तेल खरीद रहा है। ट्रंप ने आगे कहा कि भारत ÷एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं है। वहीं वॉल स्ट्रीट के साथ एशियाई शेयर बाजार में भी बुधवार को गिरावट दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.61 फीसदी बढ़कर 8,824 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया।

इस बीच, जापान का निक्केई 225 0.12 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.64 फीसदीनीचे रहा। अमेरिका में मंगलवार को वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए।

भारत में पेरासिटामोल पर प्रतिबंध नहीं: अनुप्रिया पटेल

- पेरासिटामोल के कुछ फिक्स्ड डोज़ पर प्रतिबंध लगाया गया है

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने संसद के मानसून सत्र के दौरान पेरासिटामोल दवा पर प्रतिबंध को लेकर उठे सवालों का जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने भारत में आमतौर पर उपयोग की जाने वाली पेरासिटामोल दवा पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। हालांकि, पेरासिटामोल के कुछ फिक्स्ड डोज़, जो अन्य दवाओं के साथ संयोजन में आते हैं, उन पर प्रतिबंध लगाया गया है। अनुप्रिया पटेल ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस संबंध में अफवाहों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि देश में पेरासिटामोल प्रतिबंधित नहीं है और यह दवा सामान्य रूप से उपलब्ध है। इसके साथ ही, राज्य मंत्री ने सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत शुरू की गई मुफ्त दवा सेवा पहल की जानकारी दी। इस पहल का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों, ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों समेत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और मरीजों के जेब खर्च को कम करना है। इस योजना के तहत राज्यों को निःशुल्क दवाओं के प्रावधान के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। सरकार दवाओं की खरीद, गुणवत्ता आश्वासन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ऑडिटिंग और शिकायत निवारण जैसी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए कड़ी व्यवस्था कर रही है। साथ ही औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली नामक सूचना प्रौद्योगिकी प्लेटफ़ॉर्म की मदद से आवश्यक दवाओं की खरीद और उपलब्धता की निगरानी की जा रही है। सरकारी

अस्पतालों और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 697 दवा फॉर्मूलेशन के लिए सक्रिय दर अनुबंध भी बनाए गए हैं। इससे देशभर में आवश्यक दवाओं की गुणवत्तापूर्ण और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

ऑल टाइम प्लास्टिक्स लिमिटेड ला रही है आईपीओ

- 7-11 अगस्त तक पैसा लगाने का मौका

मुंबई । प्लास्टिक के घरेलू और किचन सामान बनाने वाली जानी-मानी कंपनी ऑल टाइम प्लास्टिक्स लिमिटेड अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) ला रही है। कंपनी ने आईपीओ के लिए 260 से 275 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह आईपीओ 7 अगस्त से 11 अगस्त तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशकों के लिए यह 6 अगस्त को ही खुल जाएगा। कंपनी इस इश्यू के ज़रिए बाजार से 400.60 करोड़ तक की राशि जुटाने की योजना बना रही है। इस रकम का उपयोग कंपनी विस्तार, ऋण चुकाने और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों के लिए करेगी।

ईडी की छापेमारीः 260 करोड़ की साइबर ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग का भंडाफोड़

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उत्तराखंड में एक बड़े साइबर धोखाधड़ी गिरोह के खिलाफ छापेमारी की। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत की गई, जिसमें दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून के कम से कम 11 ठिकानों को निशाना बनाया गया। सूत्रों के अनुसार, यह मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर का है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून जैसे शहरों में सक्रिय ठग भारतीय और विदेशी नागरिकों को पुलिस या जांच एजेंसियों के अधिकारी बनकर डराते थे और गिरफ्तारी के नाम पर उनसे पैसे ऐंठते थे। इसके अलावा, वे खुद को माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन की तकनीकी सहायता सेवाओं के एजेंट बताकर भी लोगों से ठगी करते थे। ईडी की जांच में पता चला है कि ठगों ने पीड़ितों की धनराशि को क्रिप्टोकरेंसी में बदल दिया था और इसे अपने पास ट्रांसफर कर लिया था। आरोपियों ने कई क्रिप्टो वॉलेट्स में लगभग 260 करोड़ की बिटकॉइन जुटाई थी, जिसे बाद में यूएसडीटी में बदलकर नकदी में तब्दील किया गया। यह लेन-देन कई हवाला ऑपरेटरों और यूएई में स्थित व्यक्तियों के माध्यम से किया गया।

टेस्ला ने गुरुग्राम में खोला पहला इंटीग्रेटेड सर्विस सेंटर और रिटेल स्टोर

नई दिल्ली ।

ग्लोबल इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता टेस्ला ने भारत में अपने विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए गुरुग्राम के सोहना रोड स्थित ऑर्किड बिज़नेस पार्क में 33,475 स्क्वायर फीट का कमर्शियल स्पेस लीज पर लिया है। यह स्थान कंपनी के दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के पहले इंटीग्रेटेड सर्विस सेंटर, डिलीवरी हब और कस्टमर रिटेल स्टोर के रूप में काम करेगा। टेस्ला ने यह लीज ग्रेवाल प्रापर्टीज, ओ किंड इंफ्रास्टक्चर डेवलपर और सने सिटी रीयल स्टेट के साथ मिलकर साइन की है। लीज समझौता 28 जुलाई को रजिस्टर हुआ और 15 जुलाई 2025 से प्रभावी हो गया। कंपनी ने इस स्पेस के लिए 2.41 करोड़ का सिक्योरिटी डिपॉजिट और 40.17 लाख मासिक किराया तय किया है। यह लीज शुरुआती तीन वर्षों तक नॉन-टर्मिनेबल रहेगी और हर साल किराये में 4.75 फीसदी की वृद्धि होगी। टेस्ला को यह स्पेस 'बेर शेल' कंडीशन में मिला है, जिससे वह अपने अनुसार इंटीरियर डिजाइन और सेटअप कर सकेगी।

कैस्ट्रॉल इंडिया की दूसरी तिमाही में आय 1,497 करोड़ रही

नई दिल्ली ।

कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड ने साल 2025 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) और पहले छह महीनों (जनवरी-जून) के नतीजे जारी किए। कंपनी जनवरी से दिसंबर के बीच का`` वित्तीय वर्ष फॉलो करती है। दूसरी तिमाही में कैस्ट्रॉल इंडिया की कुल कमाई 1,497 करोड़ रही, जो पिछले साल इसी तिमाही की 1,398 करोड़ की तुलना में 7 फीसदी ज्यादा है। मुनाफा 5.1 फीसदी बढ़कर 244 करोड़ हो गया, जो पिछले साल 232.2 करोड़ था। वहीं एबी टिडा(कमाई से पहले का मुनाफा) 8.1 फीसदी बढ़कर 349.2 करोड़ पहुंच गया, जबकि पिछली बार यह 322.7 करोड़ था। ऐ बि टिडा मार्जिन भी थोड़ा सुधरकर 23.1 फीसदी से बढ़कर 23.3 फीसदी हो गया। कैस्ट्रॉल इंडिया ने साल 2025 के लिए 3.50 प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। यह डिविडेंड उन शेयरधारकों को मिलेगा जिनका नाम रिकॉर्ड डेट 11 अगस्त 2025 को रजिस्टर में दर्ज होगा। डिविडेंड का भुगतान 3 सितंबर बुधवार से पहले कर दिया जाएगा। कैस्ट्रॉल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि दूसरी तिमाही में हमारा कामकाज ठीक रहा और हमने पहली तिमाही की रफ्तार को बनाए रखा। गांवों में हमारा कारोबार बढ़ रहा है, इंडस्ट्रियल बिजनेस में नए ग्राहक जुड़ रहे हैं और बड़ी गाड़ियों और मशीनों की कंपनियों के साथ हमारा साथ और मजबूत हो रहा है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में नहीं किया कोई बदलाव

- रेपो रेट 5.5 फीसदी पर बरकरार, बेहतर इकॉनॉमिक की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.5 प्रतिशत पर बरकरार रखने का फैसला किया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा बुधवार सुबह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगस्त बैठक के नतीजों का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया गया है। वैश्विक स्तर पर चुनौतियां एवं टैरिफ को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। गवर्नर ने कहा कि फरवरी से अब तक 100 बेसिस प्वाइंट रेट कट हो चुका है। पॉलिसी दरों में कटौती पर ट्रांसमिशन जारी सभी सदस्यों ने न्यूट्रल रुख बरकरार रखा है। अे निश्चितता से दरों में ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने का फैसला सरकार को बेहतर इकॉनमी की उम्मीद है। एक सर्वे में 60 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि समिति यथास्थिति बनाए रखेगी। वहीं कम से कम 10 उत्तरदाताओं ने 25 आधार अंकों (बीपी) की ब्याज दर में कटौती का अनुमान जताया था। केंद्रीय बैंक इस साल फरवरी से अब तक रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती कर चुका है। इस साल जून की मौद्रिक नीति की बैठक में रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की कटौती की गयी थी। वहीं फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25-0.25 प्रतिशत की कमी की गयी थी। बता दें कि यह वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी द्विमासिक मॉनेटरी पॉलिसी है। इसके साथ ही तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक समाप्त हो गई। यह सोमवार, 4 अगस्त से शुरू हुई थी। ज्यादातर विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि आधार अंकों की कटौती के बाद रेपो दर को अपरिवर्तित रख सकती है। इस साल फरवरी और जून के बीच कुल 100 आधार अंकों की कटौती के साथ रेपो दर वर्तमान में 5.5 प्रतिशत है। रेपो रेट वह ब्याज दर होती है जिस पर भारतीय रिज़र्व बैंक कमर्शियल बैंकों को कर्ज देता है। यह दर सीधे ग्राहकों के कंज्यूमर को प्रभावित करती है।

ऐसा इसलिए क्योंकि जब रेपो रेट बढ़ता है, तो बैंक भी आमतौर पर अपने ऋणों की ब्याज दरें बढ़ा देते हैं। इससे होम लोन, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई महंगी हो जाती है। वहीं, यदि रेपो रेट घटती है, तो लोन सस्ते हो सकते हैं, लेकिन इससे सेविंग्स अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिटपर मिलने वाला ब्याज भी कम हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शुभमन सहित तीन खिलाड़ी आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार की दौड़ में शामिल

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल को बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के जुलाई महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुई पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में आगे बढ़कर नेतृत्व किया और बल्लेबाजी में कई रिकॉर्ड अपने नाम लिखे। भारत की युवा टीम ने यह श्रृंखला 2-2 से ड्रॉ की।

गिल ने श्रृंखला में 75.40 की औसत और चार शतकों की मदद से 754 रन बनाए। उन्होंने एक दोहरा शतक भी लगाया। इस 25 वर्षीय बल्लेबाज ने श्रृंखला में किसी भारतीय कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड (732) तोड़ा। गिल का प्रदर्शन अब सर्वकालिक कप्तानों की सूची में सर डोनाल्ड ब्रैडमैन (810 रन) के बाद दूसरे स्थान पर है। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर लिखा, 'शुभमन गिल के लिए यह महीना शानदार रहा। उन्होंने इस रोमांचक श्रृंखला के दौरान इस महीने में तीन टेस्ट मैचों में 94.50 की औसत से 567 रन बनाए।'

आईसीसी ने कहा, 'उन्होंने एजबेस्टन में भारत की रिकॉर्ड जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस मैच की पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए। इस तरह से उन्होंने मैच में कुल 430 रन बनाए जो किसी एक टेस्ट में ग्राहम गूच के 456 रन के बाद दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।' आईसीसी ने कहा कि गिल ने नंबर चार पर 'सर्वकालिक महान' विराट कोहली की विरासत को आगे बढ़ाया।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में मुल्डर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेली। उन्होंने अपनी टीम की पारी उस समय घोषित कर दी, जब वह महान ब्रायन लारा के 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाए गए सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर नाबाद 400 के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। उन्होंने दो मैचों में 265.50 की औसत से 531 रन बनाए।

आईसीसी ने कहा, 'मुल्डर ने गेंदबाजी में भी योगदान दिया तथा 15.28 की औसत से सात विकेट लिए, जिसमें पहले टेस्ट में लिए गए चार विकेट भी शामिल हैं।' आईसीसी ने भारत के खिलाफ स्टोक्स के हरफनमौला प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, 'उन्होंने 50.20 की औसत से 251 रन बनाए और 26.33 की औसत से 12 विकेट लिए। उन्होंने दबाव की परिस्थितियों में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छा प्रदर्शन किया।'

संजू सैमसन छोड़ेंगे राजस्थान रॉयल्स का साथ? केकेआर/सीएसके में शामिल होने की सच्चाई आई सामने

मुम्बई (एजेंसी)। हाल ही में संजू सैमसन को लेकर कहा जा रहा था कि, वह अगले आईपीएल 2026 सीजन के लिए चेन्नई सुपर किंग्स का थामन थाम सकते हैं। हालांकि, अब कुछ रिपोर्ट्र्स के अनुसार, संजू इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में अपनी फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स का साथ नहीं छोड़ेंगे।

दरअसल, कहा जा रहा था कि, संजू सैमसन आईपीएल के नए सीजन के लिए सीएसके या केकेआर के साथ जा सकते हैं। लेकिन अब टाइम्स ऑफ इंडिया ने एक सूत्र के हवाले से कहा है कि, राजस्थान रॉयल्स ने फिलहाल सैमसन या अपने किसी भी अन्य खिलाड़ी को ट्रेड नहीं करने का फैसला किया है। सैमसन रॉयल्स टीम का अभिन्न अंग हैं और टीम के निर्विवाद कप्तान भी हैं।

30 वर्षीय संजू सैमसन का आरआर के साथ एक दशक से भी पुराना रिश्ता है। इस खिलाड़ी ने 2013 में पहली बार राजस्थान का हाथ थामा था और 2016 और 2017 सीजन को छोड़कर तब से वह आरआर के साथ हैं।

वहीं आईपीएल 2025 में सैमसन ने 9 पारियों में 35.62 की औसत और 140.39 की स्ट्राइक रेट से 285 रन बनाए। इस बीच उनके बल्ले से 1 अर्धशतक भी निकला था। आईपीएल 2024 में उन्होंने 16 मैच में 531 रन बनाए थे।

एशिया कप 2025 से पहले जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी 'अग्नि' परिक्षा

मुम्बई (एजेंसी)। हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारतीय टीम की सफलता के बाद जहां मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली थी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) अब अपने प्रमुख खिलाड़ियों का ध्यान रखना चाहता है। खास बात यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह का एशिया कप से पहले परीक्षण किया जा सकता है।

हाल के दिनों में भारत के लिए सबसे खास श्रृंखलाओं में से एक में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह 5 में से केवल तीन मैचों में ही खेले, लेकिन सिराज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पांचों टेस्ट में हिस्सा लेते हुए 185 से ज़्यादा ओवर फेंके और 23 विकेट लिए। पिछले दो महीनों में इतने ज्यादा कार्यभार को देखते हुए BCCI अब 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले इन दोनों खिलाड़ियों पर ध्यान दे रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार BCCI अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दोनों तेज गेंदबाज एक महीने के ब्रेक के दौरान पूरी तरह फिट रहें। उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चयन बैठक से पहले उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा, जो अगस्त के अंत में होनी है। गौरतलब है कि एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा जबकि भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के खिलाफ खेलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को होना है।

केवल 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होने हैं, लेकिन इसके बावजूद BCCI कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि एशिया कप के तुरंत बाद भारतीय टीम 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

'हम जानते हैं कि हमारी टीम में सुधार की गुंजाइश है' : ब्रेंडन मैकुलम

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का कहना है कि उन्होंने उन क्षेत्रों की पहचान कर ली है जहां इंग्लैंड को एशेज से पहले सुधार करना होगा, जब भारत के खिलाफ एक रोमांचक सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई और मुख्य कोच का मानना है कि पांचवें टेस्ट में भारतीय टीम जीत की हकदार थी।

भारत ने इस एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के 25वें और आखिरी दिन 56 मिनट के शानदार खेल में 2-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 6 रन की जीत हासिल की, जो रनों के लिहाज से उनकी सबसे कम अंतर की जीत थी। इसका मतलब यह था कि इंग्लैंड 2018 के बाद से भारत के खिलाफ पहली सीरीज जीत से चूक गया। मैकुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में उन्होंने अभी तक भारत या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोई सीरीज जीत दर्ज नहीं की है। चूंकि इंग्लैंड अब सितंबर में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ सफ़ेद गेंद की सीरीज में उतरेगा, इसलिए खिलाड़ियों के पास आराम करने का समय है।

साल की शुरुआत से ही कोच के रूप में मैकुलम दोनों चुनौतियों में शामिल रहेंगे। लेकिन उनका तात्कालिक ध्यान, एक बार सब कुछ शांत हो जाने के बाद, पिछले सात हफ्तों पर रहेगा कि क्या काम आया और क्या नहीं। नवंबर में पर्थ में पहले एशेज टेस्ट से पहले तैयारी करना उनका प्राथमिक लक्ष्य होगा। मैकुलम ने कहा, 'हम पहले सब कुछ शांत होने देंगे और हम यह पता लगाएंगे कि क्या अच्छा रहा है और फिर यह तय करना शुरू करेंगे कि हम कैसे सुधार कर सकते हैं, ताकि जब हम ऑस्ट्रेलिया पहुंचें, तो हमारे पास एक बड़ा मौक़ा हो। हम जानते हैं कि हमारे पास सुधार की कुछ गुंजाइश है।'

उन्होंने कहा, 'जब आप खिलाड़ियों को दबाव में अपनी सीमाओं से परे जाकर प्रदर्शन करते हुए देखते हैं, तो आप हमेशा कुछ न कुछ सीखते हैं। बहुत सी चीजें हैं जिन पर हमें ध्यान देना है क्योंकि हम इसे समझने और उन क्षेत्रों का पता लगाने के लिए समय देंगे जिनमें हम अपनी अगली चुनौती के लिए सुधार कर सकते हैं। कुल मिलाकर, मुझे लड़कों और उनके प्रयासों पर बहुत गर्व है। यह एक प्रतिस्पर्धी सीरीज रही है, जिसमें, कुछ खिलाड़ी चोटिल भी हुए। यह सीरीज़ ड्रॉ हो चुकी है। आप निराश हैं लेकिन आपको उनके प्रयासों पर गर्व है।' स्कोरलाइन 2023 के घरेलू एशेज की तरह है, और हालांकि इंग्लैंड ने दो साल पहले ड्रॉ हासिल करने के लिए वापसी की थी, लेकिन इस गर्मी में भारत के खिलाफ कुछ समानताएं थीं, जिनमें से कुछ ऐसे पल थे जिन्हें मेजबान टीम ने जाने दिया। एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट में, जो ड्रॉ पर समाप्त हुआ, और द ओवल में भी, छूटे हुए कैचों की कीमत उन्हें चुकानी पड़ी। लेकिन शायद सबसे दर्दनाक तब था जब 374 रनों का पीछा करते हुए जो रूट और हैरी ब्रूक ने इंग्लैंड को 301 पर 3 तक पहुंचा दिया था, जिसके बाद 66 रनों के भीतर सात विकेट गिर गए।

मैकुलम छूटे हुए मौकों पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहते थे, जिसे वह एक उच्च-स्तर की टीम के खिलाफ खेलने की कीमत मानते हैं। इंग्लैंड ने भारत की दूसरी पारी के 396 रनों में छह कैच छोड़े, जिसकी कीमत उन्हें 152 रन पड़ी। उन्होंने कहा, 'हमने इस मैच में बहुत अच्छी कैचिंग नहीं की लेकिन पिछले कुछ सालों में हमने बहुत अच्छी कैचिंग की है। कभी-कभी एक कैच छूटने के बाद और ज्यादा कैच छूटते चले जाते हैं। अगर हमने अपने कैच पकड़े होते तो शायद हम नतीजे के दूसरी तरफ खड़े होते। यही जिंदगी है, खेल में बहुत सी छोटी-छोटी चीजें हैं जिन्हें हम चुन सकते हैं और जिनका बहुत बड़ा प्रभाव होता है। हम एक अच्छी फील्डिंग यूनिट हैं और इस टेस्ट में हमारा प्रदर्शन थोड़ा औसत था।'

उन्होंने कहा, 'हमने उन पर सब कुछ झोंक दिया। यह इस बात का प्रमाण था कि वे एक टीम के रूप में कितने मजबूत हैं। हम जानते थे कि जब वे इंग्लैंड में आएंगे तो यह एक बहुत ही कठिन चुनौती होगी और हमें वह नतीजा पाने के लिए शानदार क्रिकेट खेलना होगा जो हम चाहते थे। कुल मिलाकर मुझे लगा कि यह हिस्सा बनने के लिए एक पूरी तरह से अविश्वसनीय सीरीज थी। इसमें टकराव था, इसमें ठहराव था, इसमें जुनून था और दबाव में कुछ औसत से कम प्रदर्शन भी थे।' मैकुलम ने कहा, 'इस टेस्ट में भारत जिस तरह से अंत तक खेला, मोहम्मद सिराज में अपने 30वें ओवर में 90 मील प्रति घंटे की रफ़्तार से गेंदबाजी करने के लिए एक शेर का दिल दिखाया, जो उनके पांचवें टेस्ट मैच में एक अविश्वसनीय प्रयास था।''

हैरी ब्रूक ने प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने पर असहमति जताई, यह सम्मान इस खिलाड़ी को मिलना चाहिए था

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने भारतीय कोच गौतम गंभीर द्वारा उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने जाने के फैसले पर असहमति जताते हुए कहा कि यह सम्मान 5 टेस्ट मैचों की सीरीज में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए जो रूट को मिलना चाहिए था। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज सीरीज 2-2 से बराबरी पर समाप्त होने के बाद प्रत्येक टीम के कोच ने विरोधी टीम से प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार के लिए एक खिलाड़ी चुना। इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने जहां भारतीय कप्तान शुभमन गिल को चुना, वहीं गंभीर ने ब्रूक को इंग्लैंड का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी चुना। ब्रूक ने अंतिम टेस्ट के चौथे दिन 98 गेंदों पर 111 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिससे इंग्लैंड रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करने की कगार पर पहुंच गया, लेकिन मेहमान टीम 66 रन पर सात विकेट गंवाकर 6 रन से मैच हार गई। ब्रूक ने कहा, 'मैंने रूटी (जो रूट) जितने रन नहीं बनाए, इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें मैन ऑफ द सीरीज और फिर से मैन ऑफ द समर चुना जाना चाहिए, जैसा कि वे कई सालों से करते आ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम एक बेहतरीन स्थिति में हैं। जाहिर है, यह एक शानदार सीरीज रही है। 2-2, सच कहूं तो मैंने नहीं सोचा था कि यह इस तरह होगी।' ब्रूक ने पांच मैचों की सीरीज में 53.44 की औसत से 481 रन बनाए। वहीं रूट ने 67.12 की औसत से 537 रन बनाए हैं।

शुभमन, सिराज सहित पूरी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया : गंभीर

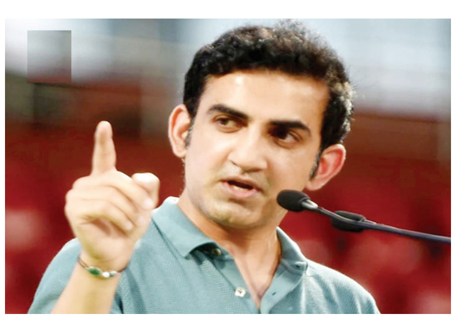

नई दिल्ली। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे में शानदार प्रदर्शन के बाद स्वदेश लौट आई है। दिल्ली पहुंचने पर टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की। इसके अलावा उन्होंने का कि इस दौरे में सभी ने अच्छा खेला इसलिए ये कहना संभव नहीं है कि किस खिलाड़ी ने सबसे अच्छा खेला। इस दौरे में शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर कराई। शुभमन ने इस दौरे में 700 से अधिक रन बनाये। गंभीर ने कहा, मुझे लगता है कि शुभमन ने शानदार काम किया है, मैं यही कह सकता हूं और वह भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, हम वाकई बहुत खुश हैं। मुझे लगता है कि हमारे खिलाड़ियों ने पिछले दो महीनों से पांचों टेस्ट मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। वे हर तरह की तारीफ के अधिककारी हैं। गंभीर ने साथ ही कहा कि किसी एक खिलाड़ी का नाम लेना मुश्किल है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन शानदार रहा है पर केवल उन्होंने और शुभमन ने ही नहीं, बल्कि पूरी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि पिछले दो महीनों में सभी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। सिराज ने इस दौरे पर कुल 23 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह ने तीन मैचों में ही 14 विकेट ले लिए। इसके अलावा केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने भी काफी अच्छी बल्लेबाजी की।

मोहम्मद सिराज हैदराबाद पहुंचे, इंग्लैंड सीरीज के हीरो का स्वागत करने उमड़े प्रशंसक

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज इंग्लैंड के खिलाफ ड्रॉ हुई कड़ी टक्कर वाली टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद बुधवार को अपने गृहनगर हैदराबाद पहुंचे। हैदराबाद पहुंचने पर प्रशंसकों ने सिराज का जोरदार स्वागत किया। सिराज पांच मैचों की सीरीज में जसप्रीत बुमराह के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा 23 विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने सभी पांच मैच खेले और 185.3 ओवर फेंके।

सिराज टीम के फील्डिंग कोच टी दिलीप के साथ लंदन से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे और फिर अपने गृहनगर रवाना हो गए। उन्होंने काले रंग के कैजुअल कपड़े पहने हुए थे और प्रशंसकों के एक समूह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सेल्फी और ऑटोग्राफ के लिए अनुरोध किए गए, लेकिन सिराज जल्दी से एक कार में सवार होकर हैदराबाद के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़ने के लिए घरेलू टर्मिनल के लिए रवाना हो गए, जहां एक बार फिर प्रशंसकों के एक समूह ने उनका स्वागत किया।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के एक अधिकारी ने बताया, 'हमने अभी तक उनसे बात नहीं की है। लेकिन हम निश्चित रूप से उनके लिए कुछ (सम्मान) योजना बनाएंगे, क्योंकि वह कुछ समय के लिए शहर में रह सकते हैं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में देश के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन किया।'

सिराज का सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन ओवल में अंतिम टेस्ट के 5वें दिन देखने को मिला, जब उनके साहस की बदौलत 374 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड को 367 रनों पर समेट दिया। सिराज ने पारी में 5 विकेट लेकर मैच में कुल 9 विकेट पूरे किए। भारत के टेस्ट इतिहास की सबसे कम रन से जीत (छह रन) के बाद मेहमान टीम ने श्रृंखला में 2-2 से बेहद सराहनीय ड्रॉ हासिल किया।

भारत के कप्तान शुभमन गिल, बुमराह की अनुपस्थिति में सिराज के योगदान से खुश थे, जिन्हें पूर्व-निर्धारित कार्यभार प्रबंधन योजना के अनुसार ओवल टेस्ट से आराम दिया गया था। गिल ने पांचवें टेस्ट के बाद कहा, 'वह (सिराज) एक कप्तान का सपना हैं, हर गेंद, हर स्पैल में उन्होंने पूरी ताकत झोंकी और टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया।'

सिराज ने कहा कि उन्हें हमेशा ओवल में आखिरी दिन अपनी टीम को जीत दिलाने का भरोसा था। मेहमान टीम को महज 35 रनों का बचाव करते हुए चार विकेट लेने थे। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा से लगता है कि मैं किसी भी मोड़ पर मैच जीत सकता हूं, और आज सुबह भी कुछ अलग नहीं था।'

आने वाले समय में बुमराह को एक ही प्रारुप में उतार सकता है बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आने वाले समय में केवल सीमित ओवरों में ही खेलते दिख सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुमराह को फिट बनाये रखने के लिए ही उन्हें इंग्लैंड दौर में तीन टेस्ट मैचों में ही उतारा था। वहीं कई दिग्गजों का मानना है कि बुमराह के महत्व हो देखते हुए प्रबंधन और बोर्ड को तय करना होगा कि उनका बेहतर उपयोग किया प्रकार किया जाये। जिस प्रकार से इंग्लैंड दौरे में मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने अच्छा प्रदर्शन किया उससे तय है कि अब ये बुमराह के बिना भी भारतीय टीम को जीत दिला सकते हैं, ऐसे में अब एशिया कप, टी-20 और एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए बुमराह को तैयार रखने की जरुरत है। आने वाले समय में भारतीय टीम को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज खेलनी है पर इसमें बुमराह की अधिक जरुरत नहीं है। ऐसे में उन्हें बड़े मुकाबलों के लिए बचाकर रखा जाएगा।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'ऐसे में ये संभव है कि बुमराह को अब आने वाले समय में सफेद गेंद प्रारुप ही ही अधिक ध्यान देने कहा जाये। अगले दो साल में उनके खेलने के लिए पर्याप्त टी-20 और एकदिवसीय मैचों के साथ ही आईपीएल भी है। ऐसे में सभी प्रारूपों में कुछ मैच खेलने की जगह उन्हें एक ही प्रारुप में सभी मैच खेलने देना चाहिये जिससे वह तरोताजा बने रहेंगे जिसका लाभ टीम को मिलेगा।'

पूर्व क्रिकेट कोच यौन दुराचार के आरोप में निलंबित, महिलाओं को भेजता था गलत तस्वीरें

लंदन। एक अज्ञात पूर्व काउंटी क्रिकेट कोच को यौन दुराचार के आरोप स्वीकार करने के बाद 9 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। स्वतंत्र क्रिकेट अनुशासन पैनल ने पाया कि उस व्यक्ति ने 2023 और 2024 की गर्मियों में स्टाफ की दो महिला जूनियर सदस्यों को यौन रूप से स्पष्ट तस्वीरें भेजी थीं। उसने पेशेवर आचरण नियमों के पांच उल्लंघनों को स्वीकार किया, जिसमें दो सहकर्मियों को अनचाही यौन तस्वीरें भेजना भी शामिल है। पैनल ने 'असाधारण' स्वास्थ्य संबंधी परिस्थितियों और नाम सार्वजनिक करने पर 'गंभीर नुकसान' के खतरे के कारण व्यक्ति की पहचान बताने से इनकार कर दिया। पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी महिला 'प्रतिवादी से बहुत छोटी थी और वह क्रिकेट क्लब में उससे कहीं अधिक वरिष्ठ पद पर था।' उसके व्यवहार के कारण उसे बर्खास्त कर दिया गया और तब से वह खेल में कार्यरत नहीं है। पैनल को दिए गए आवेदनों में यह उल्लेख किया गया कि कोच ने 'अपने दुर्व्यवहार के लिए माफी मांगी है और पश्चाताप व्यक्त किया है।' रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने स्वेच्छा से एक शिक्षा पाठ्यक्रम लिया था और 'अवांछित स्पष्ट संदेशों के प्रभाव को समझने के लिए एक पूर्व पेशेवर खिलाड़ी के साथ काम किया था।' रिपोर्ट में कहा गया है, 'उन्हें उम्मीद थी कि अब वह एक बेहतर इंसान बन रहे हैं। उन्हें कार्यस्थल की सीमाओं, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और यौन उत्पीड़न के बारे में बेहतर समझ थी।' यह प्रतिबंध आरोपों के दर्ज होने से छह महीने पहले लगाया गया है, साथ ही तीन महीने का निलंबन और एक अनिवार्य शिक्षा पाठ्यक्रम पूरा करना होगा। क्रिकेट नियामक के प्रबंध निदेशक क्रिस हावर्ड ने कहा, 'इस तरह का आचरण अस्वीकार्य है। जहां ऐसे मामले सामने आते हैं, उनकी जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। खेल से यौन दुर्व्यवहार को हटाना क्रिकेट नियामक की प्राथमिकता है। हम मानते हैं कि प्रभावित लोगों को आगे आने के लिए बहुत साहस की आवश्यकता होती है। हम प्रतिबद्ध हैं कि जब भी हमारे पास कोई आरोप लगाया जाता है, चाहे वह वर्तमान में हो या अतीत में, उसकी गहन और शीघ्रता से जांच की जाए।'

नाओमी ओसाका का बेहतरीन प्रदर्शन, स्वितोलिना को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

टोरंटो। दुनिया की पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी नाओमी ओसाका पूर्व वर्ल्ड नंबर 3 एलीना स्वितोलिना को हराकर कनाडियन ओपन के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। ओसाका ने इस दौरान स्वितोलिना को 6-2. 6-2 से हराकर WTA 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इस जीत के साथ ही उनकी रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। अब वह WTA रैंकिंग में 51 से ठीक 29वें स्थान पर आ गई हैं, और टाइटल जीतने पर नंबर 21 तक जा सकती है। बता दें कि, आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में डब्ल्यूटीए टूर का खिताब जीतने वाली ओसाका ने 10वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट बचाए और क्वार्टरफाइनल मुकाबला सिर्फ एक घंटे आठ मिनट में जीत लिया। वहीं यह ओसाका की स्वितोलिना के खिलाफ आठ मुकाबलों में पांचवीं जीत थी और इस जीत के साथ 27 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर में पहली बार कैनेडियन ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंची है। वहीं अब ओसाका का सामना 16वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन से होगा। टॉसन ने क्वार्टर फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को 6-1, 6-4 से हराया। इस तरह से ओसाका ने 2022 में मियामी में फाइनल में पहुंचने के बाद से किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा। जापान की मूल निवासी ये खिलाड़ी अपने करियर का आठवां और 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद पहला खिलाब जीतने की कोशिश में हैं। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया मबोको दूसरे सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की नौवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी।

'सिराज को वह श्रेय नहीं मिलता जिसके वह हकदार हैं', सचिन तेंदुलकर ने तेज गेंदबाज की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा कि उन्हें मोहम्मद सिराज का रवैया बहुत पसंद है, और साथ ही कहा कि इस तेज गेंदबाज़ को वह श्रेय नहीं मिलता जिसका वह हकदार है। ओवल के पांचवें दिन सिराज ने 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए और भारत ने इंग्लैंड को 6 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली।

इंग्लैंड के पास सिराज की सटीकता का कोई जवाब नहीं था क्योंकि उन्होंने पांचवें दिन 25 गेंदों में केवल 9 रन देकर तीन विकेट चटकाकर निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया। सिराज ने गस एटकिंसन का ऑफ स्टंप उखाड़कर भारत की जीत पक्की कर दी और भारतीय क्रिकेट की समृद्ध परंपरा में शामिल हो गए।

तेंदुलकर ना कहा, 'अविश्वसनीय। शानदार दृष्टिकोण। मुझे उनका रवैया बहुत पसंद है। मुझे उनके पैरों में स्प्रिंग बहुत पसंद है। एक तेज गेंदबाज का इस तरह लगातार आपके सामने रहना, किसी भी बल्लेबाज को पसंद नहीं आएगा। और आखिरी दिन अंत तक उन्होंने जो दृष्टिकोण बनाए रखा; मैं कमेंटेटरों को यह कहते हुए भी सुन सकता था कि उन्होंने सीरीज में 1,000 से ज़्यादा गेंदें फेंकने के बाद आखिरी दिन लगभग 90 मील प्रति घंटे (145 किमी प्रति घंटे) की रफ्तार से गेंदबाजी की। यह उनके साहस और बड़े दिल को दर्शाता है।'

सिराज 32.43 की औसत से 23 विकेट लेकर सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे, उन्होंने 1113 गेंदें फेंकी। तेंदुलकर ने आगे कहा, 'आखिरी दिन उन्होंने जिस तरह से शुरुआत की, वह काबिले तारीफ थी और उन्होंने हमेशा अहम भूमिका निभाई है। जब भी हमें उनकी जरूरत पड़ी, जब भी हम चाहते थे कि वे धमाकेदार प्रदर्शन करें, उन्होंने अहम भूमिका निभाई है। वह पहले भी लगातार ऐसा कर पाए हैं, और इस सीरीज में भी यही हुआ। जिस तरह से उन्होंने इतने विकेट लिए और अच्छा प्रदर्शन किया, उससे उन्हें वह श्रेय नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं।'

सिराज उस सीरीज में सबसे बेहतरीन गेंदबाज बने, जिसमें जसप्रीत बुमराह कार्यभार प्रबंधन के कारण केवल तीन मैच ही खेल पाए थे, खासकर इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट में पीठ में चोट लगने के बाद। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों में बुमराह ने 14 विकेट लिए, जिनमें दो बार पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनिया के इन जादुई झरनों को देखकर बन जाएगा आपका दिन, छूमंतर होगा सारा स्ट्रेस

दुनिया भर में प्राकृतिक सुंदरता का एक अनोखा अनुभव झरनों में देखने को मिलता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा काफी मनमोहक होता है। ऊंचाई से गिरने हुए पानी का नजारा देखना लोगों के मन को सुकून पहुंचाने के साथ रोमांच का अनुभव कराता है। बता दें कि दुनिया में कई ऐसे झरने हैं, जिनकी ऊंचाई और सुंदरता उनको खास बनाती है। इन झरनों की ऊंचाई सुनकर कोई भी चौंक जाएगा, वहीं इनकी सुंदरता भी उतनी ही सुकूनदायक है।

पहाड़ों, गहरी घाटियों और हरियाली बीच बहते हुए यह झरने प्राकृतिक कला का अनूठा और अद्वितीय उदाहरण है। अगर आप भी प्रकृति प्रेमी है और घूमने के भी शौकीन हैं, तो आपको दुनिया के सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों का दीदार करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे और खूबसूरत झरनों के बारे में बताने जा रहे हैं।

एंजेल फॉल्स , वेनेजुएला

वेनेजुएला दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप पर एक देश है। जहां पर एंजेल फॉल्स बहता है। वेनेजुएला का यह एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। जोकि वेनेजुएला के केनैमा नेशनल पार्क में स्थित है। इस झरने की धारा इतनी ऊंचाई से गिरती है कि पानी नीचे तक पहुंचते-पहुंचते बारीक-बारीक बूंदों में बदल जाता है।

टुगेला फॉल्स, दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका में मौजूद टुगेला फॉल्स की ऊंचाई 3,110 फीट है। बारिश के मौसम में यहां का नजारा देखने लायक है। यह रॉयल नेटल नेशनल पार्क के ड्रेकेन्सबर्ग माउंटेन्स पर स्थित है।

थ्री सिस्टर्स फॉल्स, पेरू

पेरू एक बेहद खूबसूरत जगह है, जहां पर आपको थ्री सिस्टर्स फॉल्स नाम का शानदार जलप्रपात देखने को मिलेगा। यह अमेजन जंगल के बीच स्थित है और तीन स्तरों में बहता है। इसी वजह से इसका नाम %थ्री सिस्टर्स% पड़ा। ट्रैकिंग और रोमांच पसंद करने वालों के लिए यह जगह जन्नत से कम नहीं है।

ओलूपेना फॉल्स, हवाई

संयुक्त राज्य अमेरिका के हवाई में करीब 900 मीटर की ऊंचाई पर ओलूपेना फॉल्स है। ओलूपेना फॉल्स सीधे समंदर से लगती चट्टानों से गिरता है और सिर्फ बोट या हेलिकॉप्टर से ही देखा जा सकता है।

युंबिला फॉल्स, पेरू

बता दें कि युबिला फॉल्स सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है, यह पेरू में है। हाल ही में खोज में यह झरना पाया गया है। जोकि पेरू के घने जंगलों में छिपा है और अब धीरे-धीरे फेमस हो रहा है। यहां पर आपको चारों ओर मनमोहक नजारा देखने को मिलेगा।

श्रीनगर सिर्फ एक शहर नहीं, एक ऐसा अनुभव जो आपकी रूह को छू जाए!

भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता। हरे-भरे बाग़, बर्फ से ढकी पहाड़ियाँ, शांत झीलें और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत श्रीनगर को न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य और झीलों का शहर

श्रीनगर की सबसे प्रसिद्ध पहचान डल झील है। इसमें हाउसबोट पर रहने का अनुभव जीवन भर याद रहता है। शिकारा की सवारी करते हुए झील के शांत पानी पर तैरते बाजार, कमल के फूल और आसपास के हिमालयी नज़ारे किसी स्वप्न से कम नहीं लगते। नगीन झील भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो शांति और एकांत की तलाश में होते हैं।

बाग-बग़ीचों की सौगात

मुग़ल बादशाहों ने श्रीनगर में कई खूबसूरत बाग़ बनवाए, जिनमें प्रमुख हैं :

शालीमार बाग़

निशात बाग़

चश्म-ए-शाही

ये बाग़ झेलम नदी के किनारे स्थित हैं और यहाँ से झील व पर्वतों का दृश्य अत्यंत मनोरम दिखाई देता है।

धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल

श्रीनगर में कई ऐतिहासिक मस्जिदें और मंदिर हैं। इनमें प्रमुख हैं :

हज़रतबल दरगाह- जहाँ पैगंबर मोहम्मद का एक पवित्र अवशेष रखा गया है।

शंकराचार्य मंदिर- जो एक पहाड़ी पर स्थित है और वहाँ से श्रीनगर का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

जामा मस्जिद- पुरानी कश्मीर वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण।

स्थानीय बाजार और हस्तशिल्प

श्रीनगर के बाज़ारों में कश्मीरी कालीन, पश्मीना शॉल, लकड़ी की नक़्क़ाशी और कागजी माछे की कला खरीदने लायक होती है। लाल चौक, बादशाह चौक और रेज़िडेंसी रोड मुख्य शॉपिंग स्थान हैं।

खानपान की विशेषता - कश्मीरी व्यंजन विश्वविख्यात हैं। रोगनजोश, यखनी, दुम आलू, और गुस्ताबा जैसे व्यंजन स्वादिष्ट और मसालेदार होते हैं। चाय प्रेमियों को कहवा ज़रूर आज़माना चाहिए - यह केसर और सूखे मेवों से बना एक पारंपरिक पेय है।

पर्यटन के लिए उपयुक्त समय

श्रीनगर जाने का सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर के बीच होता है, जब मौसम सुहावना रहता है। बर्फबारी का आनंद लेना हो तो दिसंबर से फरवरी का समय उपयुक्त है।

श्रीनगर केवल एक शहर नहीं, बल्कि एक अनुभव है- जहाँ हर मोड़ पर प्रकृति, संस्कृति और शांति एक साथ मिलती हैं। यदि आप प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक विरासत और मेहमाननवाज़ी का मिश्रण चाहते हैं, तो श्रीनगर आपकी अगली यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

मांडू पर्यटन: प्रेम, वास्तुकला और इतिहास की अद्भुत नगरी

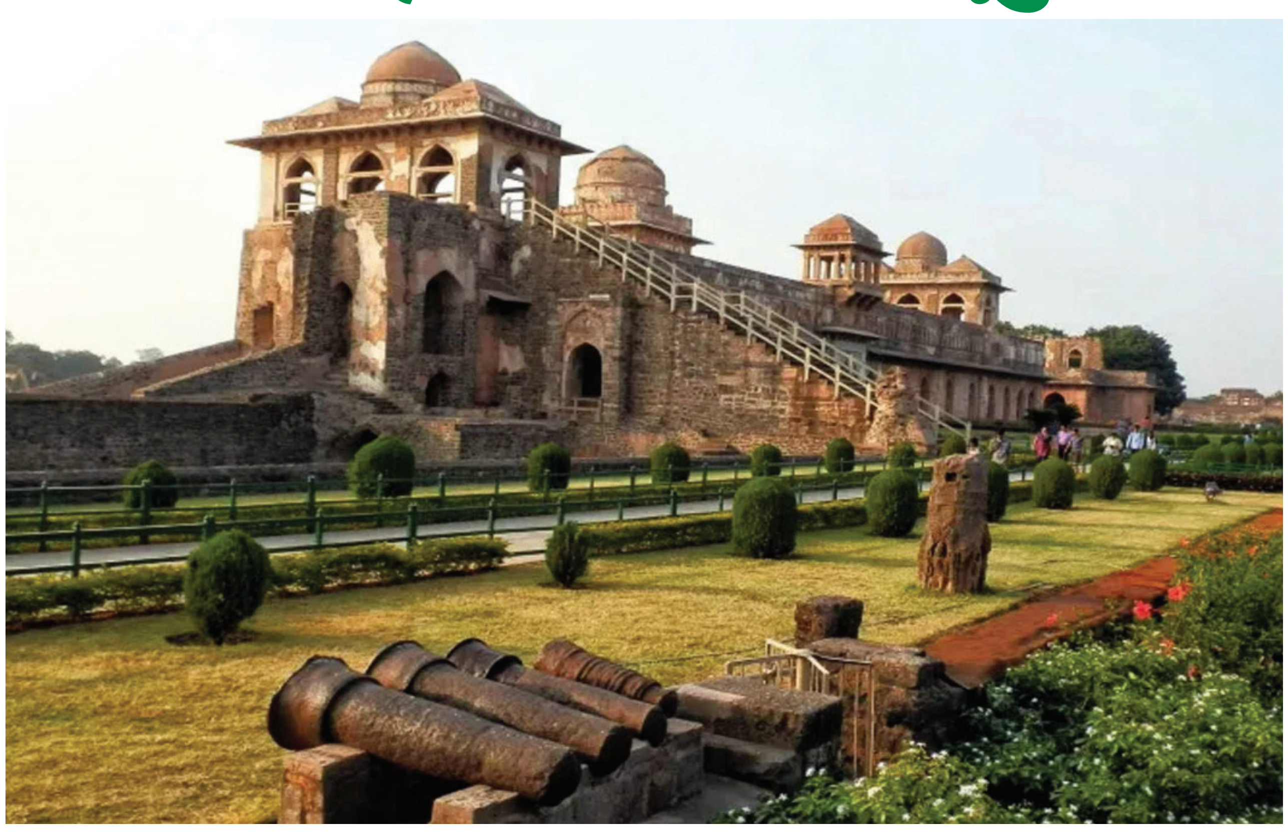

मध्य प्रदेश के धार ज़िले में स्थित मांडू जिसे मांडवगढ़ या शादीशुदा पत्थरों का शहर भी कहा जाता है, भारतीय पर्यटन मानचित्र पर एक अनूठा और ऐतिहासिक स्थल है। पहाड़ियों पर बसा यह नगर न केवल स्थापत्य कला और प्राचीन स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि रानी रूपमती और बाज बहादुर की अमर प्रेम कहानी के लिए भी मशहूर है। मांडू की हवाओं में इतिहास की गूंज, प्रेम की सरगम और स्थापत्य का सौंदर्य साथ-साथ बहता है।

मांडू का ऐतिहासिक परिचय

मांडू का इतिहास लगभग 6वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका स्वर्ण युग मालवा सल्तनत (15वीं सदी) के दौरान आया। इस दौरान यहाँ कई भव्य महलों, मस्जिदों, बावड़ियों और दरवाजों का निर्माण हुआ। मांडू की भौगोलिक स्थिति— विंध्याचल की पहाड़ियों पर और नर्मदा घाटी के किनारे— इसे एक स्वाभाविक किला बनाती है।

मांडू के प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. जहाज़ महल

यह महल दो झीलों— कपूर तालाब और मुंज तालाब— के बीच स्थित है, जिससे यह एक जहाज़ की तरह प्रतीत होता है। इसका निर्माण 15वीं सदी में सुल्तान ग़ियासुद्दीन खिलजी ने अपनी 15,000 रानियों के लिए करवाया था। रात्रि में इसका प्रतिबिंब जल में झलकता है, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

2. हिंदोला महल

हिंदोला (झूला) महल अपनी झुकी हुई दीवारों के कारण प्रसिद्ध है। इसका उपयोग दरबारी सभाओं के लिए किया जाता था। इसकी स्थापत्य शैली वास्तुकला के चमत्कारों में गिनी जाती है।

3. रूपमती महल

यह वह स्थान है जहाँ से रानी रूपमती नर्मदा नदी को निहारती थीं। यह प्रेम कहानी का सबसे भावनात्मक स्थल है, जहाँ से मांडू की घाटी और नर्मदा के दर्शन होते हैं।

4. बाज बहादुर महल

यह महल मांडू के अंतिम स्वतंत्र शासक बाज बहादुर का निवास था। इसकी वास्तुकला में राजपूत और मुस्लिम शैलियों का संगम देखने को मिलता है।

5. जामा मस्जिद

यह मस्जिद दिल्ली की जामा मस्जिद से प्रेरित है और मांडू के स्थापत्य वैभव को दर्शाती है। इसके विशाल प्रांगण और सुंदर मेहराबें इसकी विशेषता हैं।

6. रेवा कुंड

यह पवित्र कुंड नर्मदा नदी को समर्पित है और माना जाता है कि रूपमती इसी से जल ग्रहण करती थीं।

मांडू उत्सव

प्रत्येक वर्ष दिसंबर-जनवरी के महीने में मांडू उत्सव का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय लोक-संगीत, नृत्य, कला प्रदर्शन, साइकिल टूर और हॉट एयर बलून जैसी गतिविधियाँ होती हैं। यह उत्सव मांडू को जीवंत रूप देता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा : इंदौर (लगभग 100 किमी)

रेलवे स्टेशन : इंदौर और रतलाम दोनों से सड़क मार्ग उपलब्ध

सड़क मार्ग: इंदौर, धार और महेश्वर से मांडू के लिए बसें और टैक्सियाँ आसानी से मिलती हैं

ठहरने की व्यवस्था

मांडू में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल और कुछ निजी रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच रुकना अपने आप में एक अद्वितीय अनुभव होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच मांडू घूमने के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। खासकर मानसून के बाद (जुलाई-सितंबर) मांडू की हरियाली और झीलें इसे और भी सुंदर बना देती हैं।

मांडू केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, बल्कि एक जीवित कथा है— प्रेम, कला और संस्कृति की। यहाँ की हवाएं रूपमती के सुरों को, दीवारें बाज बहादुर के प्रेम को और झीलें बीते समय की परछाइयों को संजोए हुए हैं। यदि आप एक शांत, सुंदर और ऐतिहासिक स्थल की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो मांडू अवश्य आपकी सूची में होना चाहिए।

मानसून में इन जगहों पर पास से महसूस कर पाएंगे प्रकृति की खूबसूरती

मानसून का मौसम आते ही बारिश की बूंदे पर धरती पर पड़ती हैं, तो प्रकृति अपनी खूबसूरती के चरम पर पहुंच जाती है। बारिश के मौसम में भारत के कुछ स्थलों पर अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। हरे-भरे जंगल, पहाड़ों से गिरते झरने, घनघोर बादलों से ढकी घाटियां और ठंडी हवाएं मन को सुकून देने का काम करती हैं। बारिश आपको प्रकृति से जुड़ने का मौका देती है। इस मौसम में घूमना और प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करना आपको एक अलग एक्सपीरियंस दे सकता है।

इस मानसून में आप एक छोटा सा ब्रेक लेकर भीगती वादियों की सैर पर निकल जाएं। फिर चाहे वह फैमिली आउटिंग, सोलो एडवेंचर या रोमांटिक ट्रिप हो। भारत की कुछ जगहें मानसून में आपके अनुभव को यागदार बना देंगी। ऐसे में अगर आप भी बारिश में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो भारत की इन जगहों को आपकी ट्रैवल लिस्ट में जरूर शामिल करें।

महाबलेश्वर, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के महाबलेश्वर हिल स्टेशन की खूबसूरती मानसून में देखने लायक होती है। यहां के हरे-भरे पहाड़, शानदार घाटियां और स्ट्रॉबेरी फार्म काफी लोकप्रिय हैं। मानसून में बादलों से ढके रास्ते और बहते हुए झरने इस जगह की सुंदरता को बढ़ा देते हैं। आप यहां पर वेन्ना लेक, आर्थर सीट और प्रतापगढ़ किला घूम सकते हैं।

लोनावला-खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के पास स्थिति लोनावला और खंडाला हिल स्टेशन बेहद खूबसूरत नजर आता है। यह जगह मानसून में हरियाली से ढक जाता है। झरने, ट्रेकिंग और खूबसूरत घाटियों के लिए यह मौसम बेस्ट है। अगर आप खंडाला और लोनावला घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो कुछ जगहें आकर्षण का केंद्र रहती हैं। आप यहां पर टाइगर पॉइंट, भुशी डैम और राजमाची किले को एक्सप्लोर करें।

अलेप्पी, केरल

अगर आप भी मानसून में बैकवॉटर का अनुभव और हाउसबोट की अनोखी सैर करना चाहते हैं, तो आपको केरल के अलेप्पी की ट्रिप प्लान कर सकते हैं। बारिश की फुहारों के साथ शांत जल में हाउस बोट पर तैरते रहना आपको एक अलौकिक अनुभव देगा।

मुन्नार, केरल

केरल का मुन्नार चाय के बागानों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। बारिश में इन्हीं चाय के बागानों की हरियाली दोगुनी हो जाती है और यह काफी खूबसूरत नजर आती है। यहां पर बादलों से घिरे पहाड़ और शांत झीलें मनमोहक अनुभव कराती हैं। मानसून में मुन्नार एक फोटो परफेक्ट हिल स्टेशन बन जाता है। यहां पर आप एराविकुलम नेशनल पार्क और मट्टुपेट्टी डैम आदि को एक्सप्लोर कर सकती हैं।

चेरापूंजी, मेघालय

दुनिया में सबसे अधिक बारिश वाले स्थानों में से एक मेघालय का चेरापूंजी है। यहां पर मानसून में सबसे ज्यादा बारिश होती है। लेकिन मानसून में चेरापूंजी का आकर्षण कई गुना बढ़ जाता है। यहां पर झरने, बारिश और लिविंग रूटब्रिज इस जगह को खास बनाती हैं। अगर आप मानसून में चेरापूंजी की यात्रा करने का प्लान कर रहे हैं, तो आपको सेवन सिस्टर्स फॉल्स और नोक्रेक बायोस्फीयर रिजर्व जरूरे एक्सप्लोर करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश में एक समान कानून ही सच्ची एकता : अजित पवार

- सरकार की प्राथमिकता महाराष्ट्र का विकास है

मुंबई (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के छह साल पूरे होने पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने इसे देश की एकता के लिए जरूरी कदम बताया। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जब हम एक ही देश में रहते हैं, तो जम्मू-कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक सभी के लिए एक समान कानून होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले अलग-अलग राज्यों के लिए अलग कानून होना कई लोगों को स्वीकार नहीं था। अब समय आ गया है कि पूरे देश में एक समान कानून लागू हो, यही सच्चे अर्थों में राष्ट्रीय एकता है। महायुति सरकार के प्रदर्शन को लेकर पूछे गए सवाल पर पवार ने कहा कि राज्य की मौजूदा सरकार को जनादेश मिला है और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में राज्य में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि हालिया कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं और सरकार की प्राथमिकता महाराष्ट्र का विकास है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार केंद्र से अधिकतम सहयोग पाने की दिशा में लगातार प्रयासरत है। राहुल गांधी पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए अजित पवार ने कहा कि किसी पर आरोप लगाने से पहले सबूत होना चाहिए। कोर्ट का निर्णय अंतिम होता है और बिना प्रमाण के आरोप लगाना ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के कुछ नेता बेबुनियाद आरोप लगाते हैं, जो लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी से भारत की जमीन चीन के कब्जे में संबंधी टिप्पणी को लेकर सवाल किया था।

ग्लोबल साइबर फ्रॉड मामले में ईडी का बड़ा एक्शन, कर दी ताबड़तोड़ छापेमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बढ़ते साइबर फ्रॉड के मामलों को लेकर ईडी ने बड़ा एक्शन लिया है। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून में 11 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत सीबीआई और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू हुई है। ईडी की जांच में पता चला कि आरोपियों ने 260 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि बिटकॉइन के रूप में कई क्रिप्टो-वॉलेट्स में जमा की। इस राशि को बाद में यूएई में कई हवाला ऑपरेटरों और व्यक्तियों के जरिए यूएसडीटी में बदलकर नकदी में परिवर्तित किया गया। यह खुलासा साइबर अपराध के इस अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की गहरी जड़ों को दर्शाता है। दिल्ली-एनसीआर से लेकर देहरादून तक, ईडी की टीमें पूरी तत्परता के साथ संदिग्ध ठिकानों की तलाशी ले रही हैं। इस ऑपरेशन का मकसद न केवल सबूत जुटाना है, बल्कि इस साइबर ठगी के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करना भी है। जांच में खुलासा हुआ है कि ठगों ने विदेशी और भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया। ये धोखेबाज खुद को पुलिस या जांच अधिकारी बताकर लोगों को गिरफ्तारी की धमकी देकर उनकी संपत्ति हड़प लेते थे। इतना ही नहीं, कुछ ठगों ने माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी कंपनियों के टेक सपोर्ट एजेंट बनकर भी लोगों को ठगा। पीड़ितों से लूटी गई रकम को क्रिप्टोकरेंसी में बदला गया और फिर उसे आरोपी व्यक्तियों तक पहुंचाया गया।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला, माला पहनाने के बहाने थप्पड़ जड़ा

रायबरेली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (आरएसएसपी) अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमला हुआ है। बुधवार को जब वे रायबरेली के गोल चौराहे पर समर्थकों से मिल रहे थे, तभी एक युवक ने माला पहनाने के बहाने पीछे से उन्हें थप्पड़ जड़ दिया। इस बीच भीड़ ने आरोपी युवकों को दबोचकर उनकी पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद पुलिस ने किसी तरह आरोपियों को भीड़ के चंगुल से छुड़ाया। फिलहाल, इस घटना से इलाके का माहौल गरमा गया है। मारपीट में हमलावर युवकों को गंभीर चोटें आई हैं। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, स्वामी प्रसाद मौर्य बुधवार को रायबरेली के गोल चौराहे पर पहुंचे थे! यहां समर्थक फूल-माला पहनाकर उनका स्वागत कर रहे थे। तभी एक युवक ने माला पहनाने के दौरान मौर्य को थप्पड़ मार दिया। बताया जा रहा है कि हमलावर युवक करणी सेना से जुड़े हो सकते हैं, हालांकि संगठन की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने हमले के लिए योगी सरकार पर आरोप लगाते हुए इस सरकारी गुंडों का काम बताया है। उन्होंने कहा कि यह घटना लखनऊ से फतेहपुर जाते समय मिलएरिया थाना क्षेत्र के सारस चौराहे पर हुई। पूर्व सपा नेता मौर्य अपने विवादित बयानों के कारण अक्सर सुर्खियों में रहते हैं और उन पर पहले भी इस तरह के हमले हो चुके हैं।

जमुई में एक दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन उल्लू मिला, कीमत लाखों में

जमुई (एजेंसी)। जमुई में एक दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन उल्लू मिला है, जिसकी कीमत लाखों में आंकी गई है। यह घटना लक्ष्मीपुर प्रखंड के सोनदीपी गांव में हुई, जहाँ एक परिवार को रात में अपने घर में यह उल्लू मिला। करीब दो बजे विकास कुमार यादव अपने घर के बरामदे में सो रहे थे, जब उन्हें खाट के नीचे से डरावनी आवाज और फड़फड़ाहट सुनाई दी। उन्होंने परिवार के सदस्यों को जगाकर रोशनी करके देखा, खाट के नीचे एक ब्राउन रंग का उल्लू मिला। परिवार ने सावधानीपूर्वक उल्लू को पकड़ा और एक कमरे में बंद कर दिया ताकि वह सुरक्षित रहे। पूरी रात परिवार के लोग जागकर उसकी निगरानी करते रहे। सुबह यह खबर पूरे गांव में फैल गई और लोग उल्लू को देखने के लिए इकट्ठा हो गए। विकास ने उल्लू को सुरक्षित रखने के लिए उसके एक पैर में रस्सी बांधी और वन विभाग को सूचना दी। मंगलवार दोपहर को वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर उल्लू को अपने कब्जे में लिया। वन आरक्षी नीलू पासवान ने बताया कि यह उल्लू दुर्लभ प्रजाति का ब्राउन आउल है, जो भारत में कम ही पाया जाता है।

ब्रह्मोस, एस-400 से लेकर बराक-1 तक, भारत की वॉर शील्ड बनेगी और भी मजबूत

67,000 करोड़ रुपये के नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद अब मोदी सरकार रक्षा क्षे में तेजी से काम कर रही है। क्योंकि भारत का पड़ोसी चीन रक्षा मामले में लगातार ताकतवार होता जा रहा है। चीन का ताकतवार होना भारत के लिए चिंता का विषय है। इसी चिंता को देखते हुए भारत सरकार ने देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 67,000 करोड़ रुपये के नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। यह फैसला केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में लिया गया। इन प्रोजेक्ट्स का मुख्य उद्देश्य पाकिस्तान और चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना की ताकत को बढ़ाना है। भारत अब किसी भी हाल में रक्षा क्षेत्र में दूसरे देशों से कमजोर नहीं रहना चाहता है। इन प्रोजेक्ट्स के तहत, भारतीय सेनाओं के लिए कई महत्वपूर्ण सैन्य हार्डवेयर खरीदे जाएंगे।

भारतीय वायुसेना के लिए:-पहाड़ी क्षेत्रों में हवाई निगरानी क्षमता बढ़ाने के लिए माउंटेन रडार खरीदे जाएंगे। इसके साथ ही, लंबे समय तक उड़ान भरने वाले मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (मेल) रिमोटली पायलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) की खरीद को भी मंजूरी मिली है। जो कि ऑपरेशन सिंदूर में अहम किरदार निभाने वाली वायुसेना को और ताकत मिलेगी। इसके अलावा भारतीय नौसेना के लिए पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट, ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और बराक-1 मिसाइल सिस्टम के अपग्रेड को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही नौसेना के लिए कॉम्पैक्ट ऑटोनॉमस सरफेस क्राफ्ट (सीएएससी) की भी खरीद होगी। ये रोबोटिक नौकाएं पनडुब्बी रोधी युद्धों में दुश्मन की गतिविधियों को ट्रैक और न्यूट्रलाइज़ करने में मदद करेंगी।

भारतीय थल सेना के लिए:- टैंकों में इस्तेमाल होने वाली थर्मल-इमेजर-आधारित ड्राइवर नाइट-साइट की खरीद की जाएगी, जिससे रात में युद्ध संचालन की क्षमता में सुधार होगा। तीनों सेनाओं के लिए: तीनों सेनाओं के लिए मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस की खरीद के साथ-साथ, रूस निर्मित एस-400 मिसाइल सिस्टम के वार्षिक रखरखाव के कॉन्ट्रैक्ट को भी मंजूरी दी गई है। एस-400 मिसाइल सिस्टम ने हाल ही में पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डीएसी ने इसकी अहमियत को देखते हुए मिसाइल सिस्टम के व्यापक सालाना मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट को भी मंजूरी दी है। आर्मी के लिए थर्मल-इमेजर-आधारित ड्राइवर नाइट-साइट की खरीद के लिए शुरुआती मंजूरी दी गई है जो टैंकों में काम करेगी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इससे बीएमपी यानी की रात में संचालन की क्षमता बढ़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट की राहुल गांधी को फटकार, ओपी राजभर ने किया समर्थन

- सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी उचित है और विपक्ष को अपनी भूमिका समझनी चाहिए

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के प्रमुख ओपी राजभर ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा राहुल गांधी को दी गई फटकार का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पूरी तरह उचित है और विपक्ष को अपनी भूमिका समझनी चाहिए। मंत्री राजभर ने कहा कि विपक्ष ने यह मानसिकता बना ली है कि सरकार के हर काम का केवल विरोध करना है, जबकि उनका असली कर्तव्य है कि सरकार को सही दिशा दिखाएं। उन्होंने सुझाव दिया कि विपक्ष संसद में मुद्दों पर चर्चा कर सकता है और प्रधानमंत्री, गृहमंत्री या रक्षामंत्री से वार्ता कर सकता है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जब भी राहुल विदेश जाते हैं, तो भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदार विपक्ष की पहचान नहीं हो सकती। वहीं अखिलेश यादव और राहुल गांधी द्वारा भगवान राम पर दिए गए बयानों को लेकर कहा कि अगर वे राम को नहीं मानते तो जबरदस्ती नहीं की जा सकती, लेकिन चुनाव आते ही ये नेता मंदिरों में अलग-अलग वेशभूषा में दिखाई देते हैं। कांग्रेस पर हमला करते हुए राजभर ने कहा कि जब चुनाव हारते हैं तो चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हैं, लेकिन जीतने पर वही आयोग अच्छा लगने लगता है। बिहार में एसआईआर को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने कहा कि आयोग ने सभी को आपत्ति दर्ज कराने के लिए पर्याप्त समय दिया है और उचित समाधान भी करेगा। राज्यपाल सत्यपाल मलिक के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि देश ने एक निर्भीक और कुशल नेता को खो दिया है।

7 साल पहले शाह पर की गई टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी को मिली जमानत

रांची (एजेंसी)। चाईबासा निवासी प्रताप कटियार नामक शख्स ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ 9 जुलाई, 2018 को दर्ज कराई गई शिकायत में आरोप लगाया था कि उन्होंने वर्ष 2018 में कांग्रेस के अधिवेशन में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। अब इस मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को झारखंड के चाईबासा कोर्ट में चल रहे एक मानहानि मुकदमे में जमानत मिल गई है।

शिकायत के अनुसार, राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। कांग्रेसजन किसी हत्यारे को राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते हैं, यह भाजपा में ही संभव है। इस शिकायत वाद पर चाईबासा कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ अप्रैल 2022 में जमानती वारंट जारी किया था। इस पर राहुल गांधी की ओर से कोई संज्ञान नहीं लिया गया। इसके बाद कोर्ट ने फरवरी 2024 में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। यह मामला वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है। इस केस में झारखंड के चाईबासा के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने उनके खिलाफ वारंट जारी करते हुए व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

राहुल गांधी के अधिवक्ता ने इस पर कोर्ट में आवेदन देकर सशरीर उपस्थित होने की छूट मांगी थी, लेकिन उनका आवेदन खारिज कर दिया गया था। इसके खिलाफ राहुल गांधी झारखंड हाईकोर्ट पहुंचे थे, जहां उन्हें कई महीनों तक राहत मिली थी। मार्च, 2024 में झारखंड हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका निष्पादित कर दी। इसके बाद चाईबासा कोर्ट में फिर से सुनवाई हुई। राहुल गांधी के अधिवक्ता ने इस मामले में कोर्ट में आवेदन दाखिल कर व्यक्तिगत तौर पर उपस्थिति से छूट की मांग की थी, लेकिन इसे कोर्ट ने अस्वीकार कर दिया था।

निशिकांत दुबे के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर, मनसे ने दी सबक सिखाने की चेतावनी

नासिक (एजेंसी)। महाराष्ट्र की जनता से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे माफ़ी मांगे ऐसी मांग महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने की थी। हालाँकि, जब सांसद दुबे ने माफ़ी नहीं माँगी, तो नासिक मनसे शहर अध्यक्ष सुदाम कोंबडे ने नासिक ज़िला न्यायालय में दुबे के ख़िलाफ़ याचिका दायर की। साथ ही सांसद दुबे को मनसे शैली में सबक सिखाने की चेतावनी दी गई है। आपको बता दें कि सांसद दुबे ने मराठी समुदाय के ख़िलाफ़ विवादास्पद बयान देने के लिए मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की कड़ी आलोचना की थी। सांसद निशिकांत दुबे द्वारा मराठी लोग किसकी रोटी खाते हैं? तुम मराठी लोग हमारे पैसों पर पलते हो वाला विवादास्पद बयान देने के बाद, महाराष्ट्र में उनके ख़िलाफ़ गुस्से की लहर दौड़ गई थी।

उधर मुंबई से सटे मीरा-भायंदर में एक प्रवासी दुकानदार के मराठी न बोलने की बात कहने पर मनसे कार्यकर्ताओं ने उस पर हाथ उठा दिया था। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ठाकरे बंधुओं पर तब हमला बोला था। निशिकांत दुबे ने मराठी लोगों पर तंज कसते हुए कहा था, बताओ मराठी लोग कितना टैक्स देते हैं। इस पर मनसे के नासिक शहर अध्यक्ष सुदाम कोंबडे ने चेतावनी दी थी कि दुबे महाराष्ट्र की जनता से माफ़ी मांगें, अन्यथा अवमानना की कार्रवाई का सामना करें। लेकिन इसके बाद भी सांसद दुबे ने इस मामले में माफ़ी नहीं मांगी। इसलिए सुदाम कोंबडे ने उनके खिलाफ नासिक जिला सत्र न्यायालय में भारतीय दंड संहिता की धारा 352, 356 के तहत अवमानना याचिका दायर की है। मनसे शहर अध्यक्ष सुदाम कोंबडे ने यह भी चेतावनी दी है कि दुबे जब नासिक आएंगे तो उन्हें सबक सिखाएंगे।

*** दुबे कोई बयान न दें**

मराठी मुद्दे पर दिए गए उनके विवादित बयान के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को शांत रहने की सलाह दी है। देवेंद्र फडणवीस ने 4 अगस्त को मीडिया से बात करते हुए कहा, हम महाराष्ट्र में स्थिति को संभालने में सक्षम हैं। मराठी लोग और यहाँ के अमराठी भी सुरक्षित हैं। महाराष्ट्र में मराठी और गैर-मराठी के बीच कोई विवाद नहीं है, फिर भी कुछ लोग जानबूझकर विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरी सलाह है कि सांसद दुबे को इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एल्विश यादव को सांप के जहर से जुड़े मामले में चल रही ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने आरोप-पत्र और आपराधिक कार्यवाही को चुनौती देने वाली एल्विश की याचिका पर यूपी सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस भी जारी किया है। बता दें इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव की याचिका को खारिज कर दिया था। इसमें उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर में दायर आरोप-पत्र के खिलाफ आरोप लगाया गया था कि उन्होंने यूट्यूब वीडियो बनाने के लिए सांपों और सांप के जहर का दुरुपयोग किया था। उनके खिलाफ रेव पार्टियों का आयोजन और विदेशियों को आमंत्रित करने के आरोप भी शामिल हैं जो लोगों को सांप के जहर और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन कराते हैं। जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव की पीठ ने मई में उनकी याचिका खारिज करते हुए मौखिक टिप्पणी की थी कि एल्विश के खिलाफ आरोप-पत्र और एफआईआर में बयान दर्ज हैं और मुकदमे के दौरान ऐसे आरोपों की सत्यता की जांच की जाएगी। पीठ ने यह भी कहा कि एल्विश ने याचिका में एफआईआर को चुनौती नहीं दी है। इसके बाद अब यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस भी जारी किया है। एल्विश ने रेव पार्टी में सांपों का प्रदर्शन करने के मामले में गाजियाबाद कोर्ट में दायर चार्जशीट को चुनौती दी है।

सितंबर-अक्टूबर के बीच देश के एयरपोर्ट पर हो सकता है आतंकी हमला

खुफिया एजेंसियों ने बीसीएएस और सीआईएसएफ को किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान फिर कुछ बड़ा करने की फिराक में है। इस बार पाकिस्तान के निशाने पर देश के एयरपोर्ट हैं। बीते दिनों खुफिया एजेंसियों ने बीसीएएस के साथ सीआईएसएफ को अलर्ट किया है। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर देश के सभी एयरपोर्ट की सुरक्षा को चाकचौबंद करने की कवायद शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में एयरपोर्ट सुरक्षा से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तानी आतंकी समूह के खतरनाक मंसूबों के बारे में एयरपोर्ट सुरक्षा से जुड़ी सभी एजेंसियों को आगाह किया है। खुफिया एजेंसियों ने 22 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 के बीच एयरपोर्ट पर आतंकी हमले की आशंका जताई है। जिसके बाद 4 अगस्त को बीसीएएस ने आदेश जारी कर सभी एयरपोर्ट, हेलीपैड, हवाई पट्टियों, फ्लाइंग स्कूलों और ट्रेनिंग इंस्टीट्यूशन्स की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिए हैं कि 22 सितंबर से 2 अक्टूबर के दौरान आतंकी संगठन या असामाजिक तत्व कोई बड़ी साजिश रच सकते हैं। बीसीएएस ने सभी एयरपोर्ट को पुलिस, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) समेत सभी संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने को कहा है। अगर कोई नई जानकारी या अलर्ट मिलता है, तो उसे तुरंत सभी संबंधित पक्षों के साथ साझा करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए बीसीएएस ने कई सख्त कदम उठाने के लिए भी कहा है।

बीसीएएस ने एयरपोर्ट पर काम करने वाले सभी स्टाफ, कांट्रेक्टर और आगंतुकों की पहचान करने को कहा है। इसके अलावा सभी सीसीटीवी कैमरों को लगातार चालू रखने और उनकी निगरानी करने के आदेश दिए हैं। ग्रे एरिया की पहचान कर खराब कैमरों को सही करने के निर्देश भी दिए हैं। बीएसएएस का यह आदेश न केवल एयरपोर्ट, बल्कि एयरलाइंस और अन्य विमानन सेवाओं से जुड़े सभी एजेंसियों पर भी लागू होगा। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सामान और कार्गो की जांच को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं।

कबूतरों को दाना खिलाने पर रोक का मामला बना धार्मिक आस्था और जनस्वास्थ्य के बीच टकराव का कारण

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में कबूतरों को दाना खिलाने पर प्रतिबंध, धार्मिक आस्था और जनस्वास्थ्य के बीच एक बड़ा टकराव पैदा कर रहा है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने सार्वजनिक स्थानों और कबूतरखानों में दाना डालने पर सख्ती से रोक लगा दी है। कोर्ट का तर्क है कि कबूतरों की बढ़ती आबादी से श्वसन संबंधी बीमारियाँ फैल रही हैं और ऐतिहासिक इमारतों को भी नुकसान हो रहा है।

यह प्रतिबंध विशेष रूप से जैन और गुजराती समुदाय के लिए एक संवेदनशील धार्मिक मुद्दा बन गया है। जैन धर्म में कबूतरों को दाना खिलाना करुणा और अहिंसा का प्रतीक बताया जाता है, जो उनकी सदियों पुरानी परंपरा का हिस्सा है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ जैन धर्मगुरु नरेशचंद्र जी महाराज ने आमरण अनशन की घोषणा की है, और हजारों लोगों ने कोलाबा से गेटवे ऑफ इंडिया तक विरोध मार्च निकाला है। विवाद ने अब राजनीतिक रंग भी ले लिया है। भाजपा विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर प्रतिबंध पर फिर से विचार करने मांग की है। उन्होंने यह सवाल भी उठाया है कि क्या केवल कबूतरों को दाना डालना ही जनस्वास्थ्य संकट का एकमात्र कारण है। इसके बाद अब मुंबई प्रशासन के लिए जनस्वास्थ्य और धार्मिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। जहाँ न्यायालय का निर्णय वैज्ञानिक और स्वच्छता के दृष्टिकोण से सही लगता है, वहीं आदेश को लागू करते समय संवेदनशीलता और संवाद की आवश्यकता है।

तत्काल समाधान के तौर पर, स्थानीय निकायों को नियंत्रित और स्वच्छ कबूतरखानों की योजना बनानी चाहिए। इससे धार्मिक परंपरा भी बनी रहेगी और नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। मुंबई जैसे बहुसांस्कृतिक शहर में, किसी भी निर्णय को लागू करते समय सामाजिक और धार्मिक संवेदनशीलता का ध्यान रखना बेहद ज़रूरी है। यह मामला अब सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि धार्मिक अधिकार, प्रशासनिक आदेश, और सार्वजनिक स्वास्थ्य के बीच की एक जटिल रेखा बन गया है।

अलर्ट: असम, बिहार, उत्तराखंड, और अन्य राज्यों में गंभीर बाढ़ की स्थिति

नई दिल्ली(एजेंसी)। असम के हैलाकांडी जिले में धलेश्वरी नदी(घारमुरा) सुबह 6:00 बजे 29.74 मीटर पर थी, जो खतरे के निशान (28.05 मीटर) से 1.69 मीटर ऊपर है। इसी जिले में कटखल नदी (मतिजुरी) 20.73 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान (20.27 मीटर) से 0.46 मीटर ऊपर है। तिनसुकिया जिले में बुरिदेहिंग नदी (मार्गेरिटा) 134.55 मीटर पर है, जो खतरे के निशान (134.42 मीटर) से थोड़ा ऊपर है। इन नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने देश के कई राज्यों में नदियों के जलस्तर में खतरनाक वृद्धि के कारण बुलेटिन किया। 6 अगस्त को सुबह 6:39 बजे जारी बुलेटिन के अनुसार, असम, बिहार, उत्तराखंड, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, और पश्चिम बंगाल में कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे बाढ़ का गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

बिहार के कई जिलों में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बक्सर में गंगा 60.85 मीटर, पटना के दानापुर में 51.92 मीटर, दीघाघाट में 51.1 मीटर, गांधीघाट में 49.87 मीटर, और हथिदह में 42.74 मीटर पर है, जो सभी खतरे के निशान से ऊपर हैं। भोजपुर, भागलपुर और खगड़िया में भी गंगा का जलस्तर गंभीर स्थिति में है। इसके अलावा, बाया, बूढ़ी गंडक, कोसी, बागमती, पुनपुन, और धरधा जैसी सहायक नदियां भी खतरे के निशान को पार कर चुकी हैं। खगड़िया में कोसी नदी (बलतारा) 34.81 मीटर और कटिहार में 30.73 मीटर पर बह रही है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में अलकनंदा और मंदाकिनी नदियां गंभीर स्थिति में हैं। अलकनंदा (रुद्रप्रयाग) 627.6 मीटर और मंदाकिनी (गौरीकुंड) 1976.8 मीटर पर है। हरिद्वार में बाणगंगा और टिहरी गढ़वाल में भागीरथी नदी भी खतरे के निशान से ऊपर हैं। झारखंड के साहेबगंज में गंगा 27.74 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान से 0.49 मीटर ऊपर है। मध्य प्रदेश के दतिया में सिंध नदी, उत्तर प्रदेश के बदायूं और वाराणसी में गंगा और पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में गंगा (फरक्का) खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मुर्शिदाबाद में गंगा 23.04 मीटर पर है, जो खतरे के निशान से 0.79 मीटर ऊपर है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिला खेलों के लिए नहीं मिलेगा वीजा, ट्रंप का बड़ा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार रूप से अमेरिकी वीजा को लेकर नए और सख्त कानून लाने की प्रक्रिया तेज कर चुके है। जहां अब वीजा ओवरस्टे के बाद ट्रंप प्रशासन ने खेल वीजा को लेकर भी एक नया नियम लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत बताया गया है अब ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिलाओं के खेलों में हिस्सा लेने के लिए वीजा नहीं मिलेगा। प्रशासन के अनुसार इस नियम का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि महिलाओं के खेलों में केवल महिला खिलाड़ी ही भाग लें। इस नए नियम को अमेरिकी की नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईसी) ने जारी किया है।

अमेरिका में वीजा ओवरस्टे रोकने की तैयारी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक नई योजना शुरू कर रहा है, जिसके तहत कुछ विदेशी नागरिकों को अमेरिका आने से पहले 15,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 12.5 लाख रुपये) तक का जमानती बॉन्ड जमा करना पड़ सकता है। यह योजना उन लोगों पर लागू होगी जो टूरिस्ट (बी-2) या बिजनेस (बी-1) वीजा पर अमेरिका आते हैं। यह नियम उन देशों के नागरिकों पर लागू हो सकता है। जहां से आने वाले लोगों के वीजा ओवरस्टे (यानी तय समय से ज्यादा रुकना) के मामले ज्यादा होते हैं। जहां नागरिकता आसानी से दी जाती है, जैसे कि बिना वहां रहने की शर्त के निवेश द्वारा नागरिकता के जरिए होती है।

पाकिस्तान के पीओआर कार्ड रद्द करने से बढ़ा अफगान शरणार्थियों का संकट

काबुल , एजेंसी।
पाकिस्तान में रह रहे हजारो अफगान नागरिकों के लिए बड़ा संकट खड़ा हो गया है। हाल ही में पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों को दिए पंजीकरण प्रमाण (पीओआर) कार्ड रद्द कर दिए हैं, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है और जबरन पाकिस्तान से बाहर निकाला जा रहा है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी है। पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा अफगान शरणार्थियों की गिरफ्तारी और निर्वासन ने प्रवासियों के बीच चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्थिति को संभालने के लिए अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सरकारों के बीच बातचीत की मांग तेज हो गई है।

अफगान मीडिया आउटलेट टोलो न्यूज ने मंगलवार को पाकिस्तान में एक अफगान प्रवासी शबाना के हवाले से कहा, उम्मीद थी कि पीओआर कार्ड रखने वाले अफगान प्रवासियों को कम से कम छह महीने की मोहलत दी जाएगी, लेकिन दुर्भाग्य से, पाकिस्तान के एकतरफा फैसले के कारण अफगान प्रवासियों पर लगातार कार्रवाई हो रही है।

एक अन्य अफगान प्रवासी ने कहा कि पाकिस्तानी सरकार ने अपना पुराना फैसला बदल दिया है और अब अफ़गान प्रवासियों की वापसी के लिए एक योजना बनाकर उसे लागू कर रही है।

इस्लामाबाद स्थित अफगानिस्तान दूतावास ने घोषणा की है कि पिछले तीन दिनों में रावलपिंडी और इस्लामाबाद में कम से कम 800 अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से 380 लोगों को वैध शरणार्थी दस्तावेज होने के बावजूद जबरन निर्वासित कर दिया गया। दूतावास ने कहा कि यह कदम एकतरफा उठाया गया, जिसमें अफगान सरकार, संयुक्त राष्ट्र या यूएनएचसीआर का कोई समन्वय नहीं था।

इस्लामाबाद स्थित अफगान दूतावास की प्रवासन मामलों की उर्सुला हक्कयार ने कहा, हमारे कार्यालय से मिली रिपोर्टों के आधार पर, पाकिस्तानी सेना ने 800 अफगान प्रवासियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से 380 के पास वैध कार्ड थे, लेकिन फिर भी उन्हें निर्वासित कर दिया गया।

प्रवासी अधिकार कार्यकर्ता मोहम्मद खान मोहम्मदजई ने कहा, ऐसी परिस्थितियों में, प्रवासियों, खासकर जिनके पास कानूनी दस्तावेज हैं, के अधिकारों की रक्षा करना वर्तमान अफगान सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों, दोनों की जिम्मेदारी है।

इससे पहले, अफगानिस्तान के शरणार्थी और प्रत्यावर्तन मंत्रालय के एक उप मंत्री ने जोर देकर कहा था कि पड़ोसी देशों से अफगान प्रवासियों का जबरन निर्वासन अंतरराष्ट्रीय और इस्लामी कानून, दोनों का उल्लंघन है। उन्होंने मेजबान देशों से प्रवासियों के अधिकारों के सम्मान का आग्रह किया था।

31 जुलाई को जारी संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त की रिपोर्ट में कहा गया कि सितंबर 2023 से अब तक लगभग 12 लाख अफगान पाकिस्तान से लौटे हैं। रिपोर्ट में, यूएनएचसीआर ने उल्लेख किया कि लौटने वाले कई अफगानों को गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है।

एजेंसी ने कहा कि अकेले 2025 में 3,15,000 से ज्यादा अफगान अफगानिस्तान वापस आए, जिनमें 51,000 ऐसे थे जिन्हें पाकिस्तानी अधिकारियों ने जबरन निर्वासित कर दिया था।

ऑस्ट्रेलिया में चाकू से जानलेवा हमला करने के बाद किशोरी गिरफ्तार

सिडनी , एजेंसी।
ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक किशोरी ने अन्य किशोरी पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने उसे घटनास्थल से ही गिरफ्तार कर लिया। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सिडनी से 110 किलोमीटर उत्तर में न्यूकैसल शहर के उपनगर एजवर्थ में सोमवार रात लगभग 10:20 बजे चाकू से हमले की सूचना मिलने पर आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया। अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और एक किशोरी को चोटिल पाया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाने से पहले एम्बुलेंस पैरामेडिक्स द्वारा उपचार दिया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई। एक दूसरी किशोरी, जिसके बारे में पुलिस ने बताया कि वह पीड़िता को जानती थी, को घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पीड़िता 13 साल की थी और गिरफ्तार की गई लड़की 14 साल की है। मंगलवार सुबह तक, पुलिस ने कोई आरोप नहीं लगाया था। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने एक बयान में कहा कि अपराध स्थल का पता लगा लिया गया है, जिसकी विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा फोरेंसिक जांच की जाएगी, और पुलिस अधिकारियों ने लड़की की मौत की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। ये घटना सिडनी के पश्चिमी उपनगर में एक व्यक्ति द्वारा महिला की हत्या करने के एक दिन बाद सामने आई है। हमलावर ने महिला पर चाकू से ही वार किया था। बयान में कहा गया कि रविवार शाम 5 बजे के कुछ ही देर बाद, मध्य सिडनी से 28 किलोमीटर पश्चिम में माउंट प्रिचर्ड स्थित एक अस्पताल में चाकू के घाव के साथ एक महिला के पाए जाने की सूचना पर आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया था। एम्बुलेंस पैरामेडिक्स पहुंचे और 62 वर्षीय महिला का इलाज किया, लेकिन उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

यूके की पहली महिला एमआई5 प्रमुख स्टेला का निधन, 90 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

लंदन, एजेंसी।
ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई5 की पहली महिला प्रमुख और बाद में एक सफल थ्रिलर लेखिका बनी स्टेला रिमिंगटन का सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को निधन हो गया। उनके परिवार ने बताया कि स्टेला 90 वर्ष की थीं। स्टेला रिमिंगटन ने एमआई5 की पहली महिला प्रमुख बनकर इतिहास रचा। कहा जाता है कि फिल्म अभिनेत्री जूडी डेंच, जिन्होंने सात जेम्स बॉन्ड फिल्मों में एमआई6 की प्रमुख एम का किरदार निभाया, स्टेला की इसी भूमिका से प्रेरित थीं। स्टेला के परिवार ने एक बयान में बताया कि रिमिंगटन ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को अपने परिवार और प्यारे कुत्तों के साथ शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। वे आखिरी वक्त तक उस जीवन से जुड़ी रहीं, जिसे वह बहुत पसंद करती थीं। एमआई5 के वर्तमान महानिदेशक केन मैक्कलम ने कहा कि स्टेला रिमिंगटन ने एक महिला के रूप में दुनिया की किसी भी खुफिया एजेंसी की कमान संभालकर पुरानी बंदिशों को तोड़ा और नेतृत्व में विविधता का एक

बेहतरीन उदाकरण पेश किया। स्टेला का जन्म 1935 में लंदन में हुआ था। उन्होंने एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी से अंग्रेजी की पढ़ाई की। बाद में एक अभिलेखपाल के रूप में काम किया। 1960 के दशक में, जब वह अपने राजनयिक पति के साथ भारत में रह रही थीं, तब उन्हें ब्रिटेन की घरेलू सुरक्षा सेवा एमआई5 ने अपने नई दिल्ली स्थित कार्यालय में अंशकालिक क्लर्क और टाइपिस्ट के रूप में नियुक्त किया था। 1969 में, जब वह लंदन लौटीं, तो वह ख्द्ब5 में पूर्णकालिक रूप से शामिल हो गईं और धीरे-धीरे ऊंचे पदों तक पहुंचीं। यह उस समय असामान्य था, क्योंकि खुफिया एजेंसियों में ऊंचे पद अधिकतर पुरुषों को दिए जाते थे। स्टेला ने एमआई5 की सभी प्रमुख शाखाओं में काम किया, जैसे प्रति-जासूसी, आतंकवाद-रोधी और प्रति-विध्वंस आदि। शीत युद्ध के समय एमआई5 ने सोवियत जासूसों पर निगरानी रखी, उत्तरी आयरलैंड के उग्रवादी समूहों में घुसपैठ की और वामपंथी नेताओं व यूनियन प्रमुखों की जासूसी की। 2001 में स्टेला ने माना कि उस दौर में एमआई5 शायद कुछ ज्यादा ही जोश में था।

रूस के लिए लड़ रहे चीन-पाकिस्तान से आए भाड़े के सैनिक: जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि उनके देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में यूक्रेनी सैनिकों को रूस की ओर से लड़ रहे विदेशी भाड़े के सैनिकों (मर्सिनरीज) का सामना करना पड़ रहा है। इन सैनिकों में चीन, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से आए लोग शामिल हैं। जेलेंस्की ने इस मामले में कड़ा जवाब देने की बात कही है।

जेलेंस्की ने यह बयान खार्किव क्षेत्र में एक फ्रंटलाइन क्षेत्र का दौरा करने के बाद दिया, जहां उन्होंने 57वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के सैनिकों और कमांडरों से मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमने कमांडरों के साथ फ्रंटलाइन की स्थिति, ववचान्स्क की रक्षा और युद्ध के ताजा हालातों पर चर्चा की। इस क्षेत्र में हमारे सैनिकों ने बताया कि चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, पाकिस्तान और अफ्रीकी देशों से आए भाड़े के सैनिक युद्ध में भाग ले रहे हैं। हम इसका जवाब देंगे।

जेलेंस्की ने पहले भी रूस पर चीनी लड़ाकों को भर्ती करने का आरोप लगाया था, जिसे बीजिंग ने सिरे से खारिज कर दिया था। इसके अलावा, उत्तर कोरिया ने भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में हजारों सैनिक भेजे हैं। रॉयटर्स ने ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और पाकिस्तान के दूतावासों से इस मामले पर टिप्पणी के लिए संपर्क किया, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। रूस ने भी जेलेंस्की के इन दावों पर तत्काल कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है। यूक्रेनी सैन्य और खुफिया सूत्रों के अनुसार, विदेशी भाड़े के सैनिक रूस की प्राइवेट सैन्य कंपनियों जैसे वैगनर ग्रुप या रूसी रक्षा मंत्रालय से संबद्ध नई इकाइयों के तहत काम कर रहे हैं। ये समूह आर्थिक रूप से कमजोर या राजनीतिक रूप से अस्थिर क्षेत्रों, विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया से लड़ाकों की भर्ती करने के लिए जाने जाते हैं। यूक्रेनी अधिकारियों का दावा है कि युद्ध के मैदान से प्राप्त साक्ष्य, जैसे कि जब्त किए गए दस्तावेज विभिन्न देशों से आए विदेशी लड़ाकों की मौजूदगी की पुष्टि करते हैं।

ताइवान की सीमा में चीनी सैन्य विमानों ने फिर की घुसपैठ

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने अपने क्षेत्र के आसपास चीनी सेना पीएलए के विमानों, 5 पीएलएएन जहाजों और 1 आधिकारिक जहाज की 12 उड़ानें दर्ज कीं। एमएनडी ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि 12 में से 8 उड़ानें मध्य रेखा को पार करके ताइवान के उत्तरी और पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश कर गई। हमने स्थिति पर नजर रखी है और कार्रवाई की है। सोमवार को भी ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने अपने क्षेत्र के आसपास पीएलए विमानों, छह पीएलएएन जहाजों और एक आधिकारिक जहाज की 5 उड़ानें देखीं। रविवार को भी चीन ने ऐसा ही किया था और ताइवान के क्षेत्र में घुसपैठ कर उसकी संप्रभुता को चुनौती दी थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, मंगलवार तड़के तिब्बत में 3.0 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस के अनुसार, भूकंप भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार 3:25 बजे, 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप के किसी तरह के जान माल के नुकसान की खबर नहीं हैं।

मध्य मेक्सिको में बरामद हुए गुप्त रूप से दफनाए गए 32 शव

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मध्य मेक्सिको के गुआनाजुआतो राज्य के अधिकारियों ने बताया कि इरापुआतो इलाके में एक सरकारी जमीन से 32 शव बरामद किए गए हैं। इन शवों को गुप्त तरीके से दफनाया गया था। बरामद किए गए शवों में से आधों की पहचान हो चुकी है। बाकी शवों की पहचान की कोशिश की जा रही है। जिस इलाके में कब्रें मिली हैं, वह इलाका लंबे समय से हिंसा की चपेट में है। गुआनाजुआतो राज्य अभियोजक कार्यालय ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया कि ये शव मेक्सिको सिटी से लगभग 320 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में, इरापुआतो में ला कैलेरा समुदाय की संपत्ति पर गुप्त कब्रों में पाए गए। अभियोजकों ने बताया कि फोरेंसिक टीमें 30 जुलाई से घटनास्थल पर काम कर रही थीं। अधिकारी शेष शवों की पहचान करने में जुटे हैं।

गुआनाजुआतो राज्य में चल रही हिंसा

इरापुआतो में करीब दो महीने पहले एक पार्टी में सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी। जिसमें 12 लोगों की मौत की हुई थी। उस घटना के बाद अब यहां शवों के मिलने को सामूहिक गोलीबारी की घटना से जोड़कर देखा जा रहा है। गुआनाजुआतो राज्य में हाल के वर्षों में लगातार हिंसा देखी गई है।

नेतन्याहू-न्यायपालिका के बीच बढ़ा गतिरोध

इस्राइल ने अटॉर्नी जनरल को हटाने के लिए मतदान किया

यरूशलम, एजेंसी।
इस्राइली कैबिनेट ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को अटॉर्नी जनरल गली बहाराव-मियारा को बर्खास्त करने के लिए सर्वसम्मति से मतदान किया। इससे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और न्यायपालिका के बीच लंबे समय से चल रहा गतिरोध और बढ़ गया है। आलोचक मानते हैं कि यह इस्राइल की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस्राइली सरकार के इस फैसले पर रोक लगा दी है। अदालत का कहना है कि जब तक वह यह तय नहीं कर लेती कि यह फैसला सही है या नहीं, तब तक इसे लागू नहीं किया जा सकता है।

पीएम और समर्थकों का आरोप-बेवजह सरकार के फैसलों को रोक रहीं गली: पीएम नेतन्याहू और उनके समर्थकों का आरोप है कि अटॉर्नी जनरल गली निर्वाचित सरकार के फैसलों को रोककर अपनी शक्तियों का अतिक्रमण कर रही हैं। उन्होंने इस्राइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख को बर्खास्त करने के एक सरकारी फैसले को रोका, जबकि यह एक गैर-राजनीतिक पद है। उन्होंने कहा कि हितों का टकराव है, क्योंकि पीएम नेतन्याहू और उनके कई पूर्व सहयोगी कई आपराधिक जांचों का सामना कर रहे हैं।

नेतन्याहू पर न्यायिक स्वतंत्रता को कमजोर करने का आरोप: वहीं, आलोचक पीएम नेतन्याहू पर आरोप लगाते हैं कि वे न्यायिक स्वतंत्रता को कमजोर करना चाहते हैं और देश की सत्ता को पूरी तरह अपनी गठबंधन सरकार के हाथ में रखना चाहते हैं, इस्राइल के इतिहास में सबसे राष्ट्रवादी और धार्मिक मानी जाती है। वहीं, नेतन्याहू ने इन आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि अदालतें और मीडिया उनके खिलाफ मिलीभगत करके उन्हें निशाना बना रहे हैं।

नेतन्याहू सरकार ने न्यायपालिका में बदलाव का किया था प्रयासत्न नेतन्याहू सरकार ने 2023 में

न्यायपालिका में अमूल-चूल परिवर्तन करने का प्रयास किया था, जिसके चलते महीनों तक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। कई लोगों का मानना है कि सरकार के इस कदम से देश की सुरक्षा कमजोर हो गई, और शायद इसी वजह से सात अक्तूबर 2023 को हमास का बड़ा हमला हो सका, जिससे गाजा में युद्ध शुरू हो गया।

नागरिक संगठन ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की आपात याचिका: गवर्नेंस फॉर क्वालिटी इन इस्राइल नामक एक नागरिक संगठन ने सरकार के इस फैसले को अवैध बताया है और सुप्रीम कोर्ट में आपातकालीन याचिका दायर की है। संगठन का कहना है कि 15,000 से ज़्यादा लोगों ने इस याचिका का समर्थन किया है। एक बयान में, संगठन ने सरकार पर आरोप लगाया है कि जब वह मौजूदा नियमों के तहत अटॉर्नी जनरल को कानूनी रूप से हटाने में विफल रही, तो उसने नियम ही बदल दिए। संगठन ने नेतन्याहू के चल रहे मुकदमे से जुड़े हितों के टकराव का भी हवाला दिया। समूह ने कहा, यह फैसला अटॉर्नी जनरल की भूमिका को एक राजनीतिक नियुक्ति में बदल देता है। जब तक इस गलत फैसले को पलटा नहीं जाता, तब तक कानूनी लड़ाई जारी रहेगी।

धरती के नीचे छिपा है एक अनदेखा जीवन ! चीन और कनाडा के वैज्ञानिकों की चौंकाने वाली खोज

बीजिंग/ओटाया, एजेंसी।
जहां एक ओर दुनिया मंगल ग्रह और अन्य ग्रहों पर जीवन की तलाश में अरबों डॉलर खर्च कर रही है, वहीं चीन और कनाडा के वैज्ञानिकों की एक अभूतपूर्व खोज ने पृथ्वी के अंदर छिपे जीवन की परतें खोल दी हैं। यह अध्ययन यह साबित करता है कि हमारी धरती की गहराईयों में—जहां न तो सूर्य की रोशनी पहुंची है, न ही जीवन के लिए पारंपरिक शर्तें मौजूद हैं—एक विशाल और सक्रिय जीवनमंडल मौजूद है।

चीनी विज्ञान अकादमी के गुआंगझोउ इंस्टीट्यूट ऑफ जियोकेमिस्ट्री के प्रोफेसर झू जियानक्सी और हे होंगपिंग ने कनाडा के अल्बर्टा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कर्ट कोनहॉसर के साथ मिलकर यह शोध किया। उनका निष्कर्ष है कि पृथ्वी की गहराइयों में मौजूद सूक्ष्मजीव —

जिनमें प्रमुख रूप से प्रोकैरियोट्स होते हैं—सूरज की रोशनी की बजाय भूगर्भीय घटनाओं से मिलने वाली ऊर्जा पर निर्भर करते हैं।

इन जीवों की संख्या इतनी अधिक है कि वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि ये पृथ्वी के कुल जीवों की 95त्न तक आबादी का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। ये सभी एककोशिकीय जीव होते हैं, जिनमें झिल्ली-बद्ध कोशिकांगों की अनुपस्थिति के कारण इन्हें प्राचीन और आदिम जीवन रूप माना जाता है। कैसे जिंदा रहते हैं ये जीवन रूप?

शोधकर्ताओं ने पाया कि धरती के नीचे जब भूकंप आते हैं, तो चट्टानों में दरारें उत्पन्न होती हैं। जब इन दरारों से पानी गुजरता है, तो यह चट्टानों के साथ रासायनिक अभिक्रिया करता है, जिससे हाइड्रोजन गैस और प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन जैसी ऊर्जा-युक्त यौगिक उत्पन्न होते हैं। इनसे इलेक्ट्रॉनों का प्रवाह शुरू होता है, जो सूक्ष्मजीवों की जैविक क्रियाओं को संचालित करता है।

शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला में पृथ्वी के सामान्य सिलिकेट खनिज क्वार्ट्ज़ के साथ यह प्रक्रिया दोहराई। उन्होंने पाया कि जब क्वार्ट्ज़ पर तनाव पड़ता है और वह टूटता है, तब उसकी सतह जल के संपर्क में आकर हाइड्रोजन और ऑक्सीजन यौगिकों का निर्माण करती है। यह प्रक्रिया भूमिगत जीवन के लिए ऊर्जा प्रदान करती है, बिलकुल किसी बैटरी की तरह।

यह सब संकेत करता है कि भूमिगत जीवन न केवल संभव है, बल्कि यह पृथ्वी के इतिहास में जीवन की उत्पत्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी हो सकता है।

कोई भी टैरिफ युद्ध या प्रतिबंध इतिहास नहीं बदल सकता जो होना है वो होगा, अमेरिकी धमकी पर रूस का बयान

मॉस्को, एजेंसी। रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया गया है। अब सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर टैरिफ की दर बढ़ाने की धमकी दी। अब इस पर रूस की सरकार का बयान भी आ गया है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने अमेरिका द्वारा रूस के सहयोगी देशों पर लगाए जा रहे टैरिफ और प्रतिबंधों की तीखी आलोचना की। रूसी विदेश मंत्रालय ने इसे नव-उपनिवेशवादी एजेंडा करार दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीति के चलते आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। जब मारिया जाखारोवा से पूछा गया कि अमेरिका ने वैश्विक दक्षिण के रूस के सहयोगी देशों पर टैरिफ दर बढ़ा दी है तो अमेरिका की इस नीति को आप कैसे देखते हैं? इस पर मारिया जाखारोवा ने कहा कि दुर्भाग्य से प्रतिबंध आज के समय की हकीकत है, जिसका असर पूरी दुनिया के देशों पर पड़ा है। अमेरिका अपने घटते प्रभुत्व को स्वीकार नहीं कर पा रहा है और अब दुनिया में बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था उभर रही है, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका नव-उपनिवेशवाद एजेंडा चला रहा है। राजनीति से प्रेरित होकर उन देशों पर आर्थिक दबाव बना रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्वतंत्र होकर फैसले ले रहे हैं। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि यह कदम मुक्त व्यापार के उन सिद्धांतों का ही उल्लंघन है, जिसकी वकालत पश्चिमी देश ही करते थे। अब संरक्षणवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है और मनमाने तरीके से टैरिफ और प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। लैटिन अमेरिका में हमारे रणनीतिक साझेदार देश ब्राजील इस नीति का प्रमुख पीड़ित है। अमेरिका की यह कार्रवाई दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखल की कोशिश है। इन चिंताओं के अलावा वैश्विक आर्थिक विकास के भी धीमा होने, आपूर्ति श्रृंखला के बाधित होने का भी खतरा है। रूस ने कहा कि हमारा विश्वास है कि कोई भी टैरिफ युद्ध या प्रतिबंध इतिहास के प्राकृतिक घटनाक्रम को नहीं रोक सकता। हम हमारे सहयोगियों, समान विचारधारा वाले देशों और खासकर वैश्विक दक्षिण के अपने सहयोगी देशों का समर्थन करते हैं और इनसे ऊपर हम ब्रिक्स का समर्थन करते हैं। रूस ने ये भी कहा कि हम अपने सहयोगी देशों के साथ सहयोग को बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलिस ने चारों तरफ से घर को घेरकर ड्रग्स माफिया को पकड़ा

भाठेना में 25 सीसीटीवी लगाकर घर में कंट्रोल रूम बनाया, वॉकी-टॉकी से पेडलरों को अलर्ट करता था

रोज़ डेढ़ लाख की ड्रग्स बेचने वाला माफिया गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भाठेना क्षेत्र के पंचशीलनगर में एक ड्रग्स माफिया ने 500 मीटर के दायरे में 25 सीसीटीवी कैमरे और 4 वॉकी-टॉकी से निगरानी तंत्र खड़ा कर रखा था। इस अत्याधुनिक सेटअप की मदद से वह रोज़ करीब 1.5 लाख रुपये की एमडी ड्रग्स की बिक्री करता था। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) के पीआई ए.पी. चौधरी और उनकी टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए इस माफिया शिवा उर्फ़ शिवराज भूपेन्द्र झाला (उम्र 28)को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तारी की अहम बातें:

शिवा ने 55 इंच के टीवी में कैमरों की लाइव फीड देखता हुआ घर से ही निगरानी करता था।

आरोपी केवल तीसरी कक्षा तक पढ़ा हुआ है, लेकिन पुलिस से बचने की पूरी तकनीकी व्यवस्था कर रखी थी।

उसके पास से 12 लाख की 120 ग्राम एमडी ड्रग्स और 16 लाख की नकदी बरामद की गई है।

रेड के दौरान 2 लोडेड पिस्तौल भी बरामद हुईं।

आपराधिक इतिहास शिवा के खिलाफ पहले से ही:

सलाबतपुरा में मारपीट के 6 मामले

उमरा में लूट और अपहरण का मामला

कतारगाम में हत्या का केस दर्ज है।

इसके अलावा उस पर पासा और तड़ीपार की भी कार्रवाई हो चुकी है।

पुलिस की कार्रवाई:

SOG की 27 पुलिसकर्मियों की टीम 20 बाइक पर सवार होकर पंचशीलनगर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेरकर माफिया को घर में ही दबोच लिया।

घर के पास एक ओर भाठेना ब्रिज, दूसरी तरफ खाड़ी, और आसपास की झुग्गी बस्तियों का फायदा उठाकर उसने इलाके में नेटवर्क फैला रखा था।

ड्रग्स बेचने का कोडवर्ड

ड्रग्स लेने आने वाले ग्राहक ''कपड़े लेने आया हूँ...'' कहकर कोडवर्ड देते थे, तभी उन्हें ड्रग्स दी जाती थी।

शिवा ने झुग्गियों के बीच 3 मंज़िला बंगला बनवाया था और ड्रग्स से कमाई गई रकम से अत्याधुनिक सुविधाएं तैयार की थीं। इलाके के लोगों को छोटी-मोटी परेशानी में मदद करता था, जिससे उसे वहां मसीहा की छवि मिल गई थी।

पुलिस ने घर का DVR भी जब्त कर लिया है। कैमरों की फुटेज से यह पता चल सकता है कि ड्रग्स के धंधे में और कौन-कौन शामिल था और ड्रग्स लेने कौन-कौन आता था।

शिवा के खिलाफ पहले भी मारपीट, अपहरण और हत्या जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं - सलाबतपुरा थाने में 6 केस, उमरा थाने में लूट और अपहरण, तथा खटोदरा थाने में हत्या का मामला। पुलिस ने उस पर पहले पासा और तड़ीपार जैसी कार्रवाई भी की थी।

ड्रग्स माफिया कैमरों पर पुलिस की हर मूवमेंट देखता था, लेकिन स्ह्व की टीम ने उसे चारों तरफ से घेरकर भागने से पहले ही दबोच लिया।

6 महीने पहले महाराष्ट्र के विनोद से 2 लोडेड पिस्तौल भी ली थी, ताकि अपने इलाके में डर और रुतबा बना सके।

शिवा स्थानीय झोपड़पट्टी के लोगों की छोटी-मोटी समस्याओं में मदद करता था, इसलिए लोग उसे 'मसीहा' भी कहते थे।

पुलिस ने आरोपी के घर का DVR भी जब्त किया है, जिससे कैमरा फुटेज जांचकर पता लगाया जा सकेगा कि ड्रग्स के धंधे में और कौन-कौन शामिल है और ड्रग्स लेने कौन-कौन आता था।

सुमुल डेयरी ऑडियो विवाद

दो ने पेश होकर कहा -'आदिवासी समाज की रैली में नौकरी के मुद्दे पर शामिल हुए थे, इसलिए हमें टारगेट किया गया'

चार डायरेक्टर्स को क्राइम ब्रांच का नोटिस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुमुल डेयरी की बोर्ड बैठक का ऑडियो वायरल होने के मामले में सूरत क्राइम ब्रांच ने चार डायरेक्टर्स को बयान देने के लिए नोटिस भेजा है। आज निझर के डायरेक्टर भरत पटेल और मांढवी के रेसा चौधरी क्राइम ब्रांच के समक्ष पेश होकर अपना बयान दर्ज करवाया। इन दोनों डायरेक्टर्स ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चूंकि वे आदिवासी समाज की रैली में शामिल हुए थे, जिसमें नौकरी के मुद्दे को उठाया गया था, इसलिए उन्हें टारगेट किया जा रहा है।

यह विवाद 12 जुलाई को हुई सुमुल डेयरी की बोर्ड बैठक से शुरू हुआ था। इस बैठक में बाहर से दूध लाकर बेचने वाले सहकारी मंडलों पर लगाए गए जुर्माने के मुद्दे पर चर्चा हुई थी। इस बैठक की दो घंटे सात मिनट की रिकॉर्डिंग वायरल हो गई थी, जिससे संस्था की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है - ऐसा आरोप मैनेजिंग डायरेक्टर अरुण पुरोहित ने लगाते हुए पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू की।

क्राइम ब्रांच ने सोंगढ़ के कांती गामित, मांढवी के रेसा चौधरी, निझर के भरत पटेल और उच्छल के सुनील गामित को नोटिस जारी कर बयान के लिए बुलाया है, क्योंकि इन चारों डायरेक्टर्स ने ऑडियो मौजूद होने की बात स्वीकार की थी।

बयान देने आए भरत पटेल ने कहा, च्च्हम आदिवासी समाज की बहनों को पांच साल काम कराने के बाद नौकरी से निकाल दिए जाने के विरोध में रैली में शामिल हुए थे। इसी वजह से हमें चारों डायरेक्टर्स को द्वेषभाव से टारगेट किया जा रहा है।ज्ज उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने कोई ऑडियो वायरल नहीं किया है और ऑडियो में ऐसा कुछ नहीं है जिससे संस्था को नुकसान पहुंचे।

भरत पटेल और रेसा चौधरी ने अपने वकील के साथ बयान दर्ज कराते हुए उम्मीद जताई कि सच्चाई जल्द सामने आएगी। फिलहाल, क्राइम ब्रांच इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

खाद्य विभाग और उधना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के चामुंडा इंडस्ट्रियल एरिया, सेवा हॉस्पिटल की गली में स्थित एक मसाला गोदाम पर 28 जुलाई को खाद्य विभाग ने उधना पुलिस के साथ मिलकर छापा मारा था। यहां से 24 लाख मूल्य के 'एवरेस्ट मिक्स मसाला पाउडर' और 'मैगी मसाला मैजिक' जब्त किए गए थे। इन दोनों उत्पादों के नमूने परीक्षण के लिए सूरत नगर निगम की लैब में भेजे गए थे।

अब रिपोर्ट में फूड एनालिस्ट ने दोनों नमूनों को ''अनसेफज्ज (असुरक्षित) घोषित किया है। इसके आधार पर:गोदाम मालिकअनिल गुमानसिंह गोयल और सेल्समैन सुनील सोनी के खिलाफ सूरत म्युनिसिपल कोर्ट में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

खाद्य परीक्षण के आंकड़े (वर्ष 2024 और 2025 - जुलाई तक):

कुल नमूने जांचे गए:395

सब-स्टैंडर्ड (गुणवत्ता हीन): 210, मिसब्रांडेड (गलत ब्रांडिंग): 18

अनसेफ (स्वास्थ्य के लिए हानिकारक): 9

कुल वसूल जुर्माना: 57.67 लाख

महत्वपूर्ण बात यह भी है कि आरोपी उसी गोदाम में नकली मसालों का निर्माण कर वहीं उनका पैकिंग भी करते थे।

झगड़े में मध्यस्थता करने गए युवक पर हमला,आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती नजर आ रही है, क्योंकि हत्या की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे ही रांदेर इलाके में हुई एक हत्या के मामले में पुलिस ने तेज़ी से कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता-पुत्र की जोड़ी को गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के नासिक का मूल निवासी और फिलहाल सूरत के रांदेर स्थित बापूनगर बोर्डी इलाके में रहने वाला शरीफ उर्फ भूरो अमीर शेख (उम्र 40 वर्ष) सब्जी का व्यापार करता है। उसका भतीजा रफीक सलीम शेख, जिसके माता-पिता नहीं हैं, अपने चाचा शरीफ के साथ सूरत में ही रहता था। किसी बात को लेकर चाचा-भतीजे के बीच झगड़ा हुआ था।

अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट महिला इकाई का हुआ गठन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट की बोर्ड मीटिंग का आयोजन सोमवार को डुमस स्थित अग्र-एक्जोटिका के बोर्ड रूम में किया गया। मीटिंग में ट्रस्ट के अध्यक्ष नटवरलाल टाटनवाला ने महिला इकाई की नई कार्यकारिणी की घोषणा की। जिसमे मनीषा कजरिया को अध्यक्ष, किरण चौकड़िका को सचिव, इंदिरा अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, मीनू पंसारी को उपाध्यक्ष, प्रियंका अग्रवाल, निहारिका अग्रवाल को सहसचिव, बबीता चौधरी, मनीषा कनोडिया को सहकोषाध्यक्ष एवं संतोष गाड़िया को संघटन मंत्री बनाया गया।

ट्रस्ट द्वारा नई कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को बधाई दी गई। मीटिंग में अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट के सचिव बृजमोहन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, वसंत अग्रवाल, नंदकिशोर तोला, सुभाष मित्तल सहित ट्रस्ट एवं महिला शाखा के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

1550 करोड़ के साइबर फ्रॉड केस में नए खुलासे

मुख्य आरोपी कीरत जादवाणी की बहन वृंदा पर भी शक,लुकआउट नोटिस जारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

RBL बैंक से जुड़े 1550 करोड़ के साइबर फ्रॉड मामले में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इस घोटाले में बैंक के 8 कर्मचारियों की सीधी संलिप्तता सामने आई है। मुख्य आरोपी कीरत जादवाणी की बहन वृंदा भी शक के घेरे में है, जिसके चलते उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है।

जांच कर रही पुलिस को इस मामले में RBL बैंक के पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों की भूमिका पर संदेह है।

सूरत शहर से जुड़े 1550 करोड़ के साइबर फ्रॉड के भंडाफोड़ से हड़कंप मच गया है। उधना पुलिस ने जब इस मामले की गहराई से जांच की तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए।

इस पूरे रैकेट में सिर्फ साइबर अपराधी ही नहीं, बल्कि बैंक कर्मचारी भी सीधे तौर पर शामिल पाए गए हैं। RBL बैंक के 8 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है।

इन कर्मचारियों ने आरोपियों को मदद पहुंचाने के लिए बैंक के नियमों का उल्लंघन करते हुए 164 बैंक खाते खुलवाए।

इतना ही नहीं, जब भी साइबर फ्रॉड के पैसे फ्रीज़ किए जाते थे, तो यही कर्मचारी आरोपियों को तुरंत सूचना देते थे और बाकी बचे पैसे निकालने की सलाह भी देते थे। यह बात भी पुलिस जांच में उजागर हुई है।

फर्जी दुकानें और शॉप सेटअप खड़े कर साइबर फ्रॉड किया गया आरोपी बैंककर्मियों की भूमिका सहयोगी नहीं, बल्कि साझेदार जैसी थी

इस पूरे रैकेट में RBLबैंक के कर्मचारियों की भूमिका सिर्फ सहयोगी तक सीमित नहीं थी, बल्कि वे अपराधियों के साथ सीधे साझेदार की तरह शामिल थे।

उधना पुलिस की जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी कीरत जादवाणी और उसके साथी फर्जी दुकानें और शॉप सेटअप बनाते थे। इन फर्जी सेटअप के आधार पर RBL बैंक के कर्मचारी नियमों को ताक पर रखकर करंट अकाउंट खोलते थे। बाद में इन बैंक खातों का उपयोग साइबर फ्रॉड से प्राप्त पैसों को ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था।

DCP भगीरथ गढ़वी ने मामले में जानकारी देते हुए बताया

> "इस केस में बैंक के 8 कर्मचारियों की भूमिका का पर्दाफाश हमने किया है। इन कर्मचारियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 164 बैंक खाते खुलवाए।

> सबसे गंभीर बात यह है कि जब NCCRP पोर्टल पर साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज होती और बैंक अकाउंट फ्रीज़ कर दिए जाते, तो यही कर्मचारी आरोपियों को तुरंत इसकी सूचना देते थे।

> इतना ही नहीं, वे सलाह भी देते थे कि फ्रीज़ की गई रकम के अलावा बाकी पैसे जल्दी निकाल लो।

> इसी सलाह के आधार पर आरोपी बड़ी रकम ट्रांसफर कर लेते थे।"

मुख्य आरोपी कीरत जादवाणी की बहन वृंदा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

DCP गढ़वी ने आगे बताया कि पुलिस ने सभी बैंक कर्मचारियों के बयान और उनके बैंक खातों की पूरी जानकारी इकट्ठा कर ली है, और कानूनी कार्रवाई जारी है।

इस केस के मुख्य आरोपी कीरत जादवाणी की बहन वृंदा जादवाणी के खिलाफ भी लुकआउट नोटिस जारी किया गया है।

DCP भगीरथ गढ़वी ने कहा:

> "हमें इस पूरे केस में वृंदा की संलिप्तता की आशंका है।

> हमें उसके द्वारा बैंक कर्मचारियों से की गई कुछ चैट्स भी प्राप्त हुई हैं।

> हम यह जांच कर रहे हैं कि जिन मोबाइल नंबरों से चैट हुई थी, वो वृंदा इस्तेमाल कर रही थी या कोई और।

> अगर ठोस सबूत मिलते हैं, तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

> उसके पासपोर्ट नंबर के आधार पर लुकआउट नोटिस जारी किया गया है।"

अगर आप चाहें तो मैं इसका प्रेस रिलीज़ प्रारूप, सोशल मीडिया शॉर्ट्स या कानूनन दृष्टिकोण से इसका विश्लेषण भी दे सकता हूँ।

सूरत पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड रैकेट का भंडाफोड़ किया है,जिसका संचालन दुबई, क्यूबा, थाईलैंड और मलेशिया से किया जा रहा था।

ये साइबर माफिया नागरिकों को ठगने के लिए पार्ट-टाइम जॉब, वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन ट्रेडिंग, क्रिप्टो और SDT ट्रेडिंग, सेक्सटॉर्शन और डिजिटल अरेस्ट जैसी लोकप्रिय तरीकों का इस्तेमाल करते थे।

इस रैकेट के जरिए कीरत जादवाणी, मेहुल इटालिया और दिव्येश चक्रराणी ने 165 बैंक खातों के माध्यम से हजारों करोड़ रुपये विदेशों में भेजे।

पुलिस ने अब तक मीत खोपकर, कीरत जादवाणी और मयूर इटालिया को गिरफ्तार किया है। इन तीन की गिरफ्तारी के बाद इस रैकेट का मुख्य सूत्रधार दिव्येश चक्रराणी 22 तारीख को दुबई भाग गया है।

पुलिस ने दिव्येश चक्रराणी और वृंदा जादवाणी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर दिया है।

अग्रवाल महाविद्यालय में "इको-फेस्टिवल 2025" का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वेसू स्थित अग्रवाल विद्या विहार अंग्रेजी माध्यम महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने, जागरूकता बढ़ाने और जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से च्च्इको-फेस्टिवल 2025ज्ज का आयोजन किया गया।

अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में च्च्भारत के ग्रीनमैनज्ज विरल देसाई उपस्थित रहें। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला एवं इस प्रकार के आयोजनों को वर्तमान समय की मांग बताया।

इको-फेस्टिवल में रचनात्मक सजावट, पोस्टर बनाओ, नुक्कड़ नाटक, व्यापार पिचिंग, वृत्तचित्र, फोटोग्राफी तथा रील बनाना सहित अनेकों प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आयोजन में महाविद्यालय के मुख्य सलाहकार डॉ. यू.टी.देसाई, प्रभारी प्राचार्य डॉ. गौतम दुआ सहित ट्रस्ट के अनेकों सदस्य एवं छात्र उपस्थित रहें।